संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 314
पृष्ठ 8
मंगलवार
05 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बरसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क...

विचार- टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान...

खेल- लॉर्ड्स और ओवल में हुई गलती की...

आदिवासी और वंचितों को सशक्त बनाने का जुनून था शिबू सोरेन को : मोदी

सोरेन को श्रद्धांजलि देने गंगाराम अस्पताल गये पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है और आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके जुनून की सराहना की है। श्री मोदी ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "श्री शिबू सोरेन जी एक ज़मीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में तरक्की की। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। उनके निधन से मुझे बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।" उल्लेखनीय है कि पृथक झारखंड आंदोलन के अग्रदूत और दिशोम गुरूजी के नाम से मशहूर श्री सोरेन का आज यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। श्री सोरेन एक माह से भी अधिक समय से यहां सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे। उनका किडनी तथा हृदय संबंधी बीमारियों का इलाज चल रहा था। उन्होंने आज सुबह अस्पताल में ही अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां गंगाराम अस्पताल जाकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। श्री सोरेन यहां गंगाराम अस्पताल में भर्ती थे और आज उनकी मृत्यु हो गयी। प्रधानमंत्री ने श्री सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दुख की इस घड़ी में श्री सोरेन के परिजनों से मिलकर उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। श्री मोदी ने पोस्ट में लिखा, " झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में हेमंत जी, कल्पना जी और श्री सोरेन के प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उनका पूरा जीवन जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा। इसके लिए वे सदैव याद किये जायेंगे। " उल्लेखनीय है कि पृथक झारखंड आंदोलन के अग्रदूत और दिशोम गुरूजी के नाम से मशहूर श्री सोरेन का आज यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। श्री सोरेन एक माह से भी अधिक समय से सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे जहां उनका गुर्दे तथा हृदय संबंधी बीमारियों का इलाज चल रहा था।

योगी बोले: सहारनपुर मंडल बनेगा नए उत्तर प्रदेश की रीढ़

सहारनपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि सहारनपुर मंडल का विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह मंडल 'नये उत्तर प्रदेश' के निर्माण का मूलाधार है। योगी ने मंडलवार जनप्रतिनिधि संवाद शृंखला के तहत सहारनपुर मंडल के तीन जिलों, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली के जन प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष समीक्षा बैठक की। यह बैठक सर्किट हाउस, सहारनपुर में आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की स्थिति, जन अपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में प्रत्येक विधायक से व्यक्तिगत रूप से उनके क्षेत्र की समस्याओं और विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा करना नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों के आधार पर राज्य के सुदूर क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और उनके समाधान को सुनिश्चित करना था। उन्होने स्पष्ट रूप से कहा कि सहारनपुर मंडल का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस क्षेत्र का पुनरुत्थान और समेकित विकास 'नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण का मूलाधार है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सभी विकास प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की और संबंधित विभागों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत विकास कार्यों में ब्लॉक मुख्यालयों तक कनेक्टिविटी, इंटर-कनेक्टिविटी सड़कें, धार्मिक स्थलों तक पहुंच मार्ग, बाईपास, आरओबी, अंडरपास, फ्लाईओवर, मेजर और माइनर ब्रिज, रोड सेफ्टी उपाय, सिंचाई अवसंरचना जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल थे।

झारखंड के इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया: ममता ने शिबू सोरेन के निधन पर कहा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि झारखंड के इतिहास का एक अध्याय समाप्त हो गया। शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन गुर्दे संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने से ज्यादा समय से दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाज करा रहे थे। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और मेरे आदिवासी भाइयों एवं बहनों के गुरु दिशोम (महान नेता) शिबू सोरेन के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''उनके बेटे, झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं मेरे भाई हेमंत सोरेन तथा उनके पूरे परिवार एवं समर्थकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।'' बनर्जी ने कहा कि वह शिबू सोरेन का बहुत सम्मान करती हैं।

सिरोही में निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत

सिरोही, एजेंसी। राजस्थान के सिरोही जिले में सोमवार को एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पिंडवाड़ा के पुलिस उपाधीक्षक भंवर लाल चौधरी ने बताया कि पिंडवाड़ा उपखंड में रोहिड़ा क्षेत्र के भारजा गांव में एक नवनिर्मित दीवार भरभराकर गिर गई और आठ मजदूर मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पिपली उर्फ दीपाली, काली और दिनेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सूचना मिलने पर रोहिड़ा और स्वरूपगंज थानों की टीम मौके पर पहुंचीं तथा स्थानीय निवासियों की मदद से मलबे में फंसे मजदूरों को बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार सभी घायलों को तुरंत आबू रोड के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन घायलों को बाद में गंभीर हालत में सिरोही जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

कुलगाम मुठभेड़ चौथे दिन भी जारी

श्रीनगर, एजेंसी जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में अखल खुलसन के घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए चल रहा सुरक्षा बलों का अभियान सोमवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गया। इस अभियान में अभी तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं जबकि तीन जवान घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों को इस जंगल में चार से पाँच आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद एक अगस्त की शाम को आतंकवादियों को तलाशने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। आतंकवादियों की भीषण गोलीबारी के बाद भी पिछले 72 घंटों से इस अभियान को चलाया जा रहा है। इसमें सेना के विशेष बल, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रहे हैं। रुद्र लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और निगरानी ड्रोनों की मदद से छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके की लगातार तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि घने और ऊबड़-खाबड़ इलाकों ने तलाशी अभियान को खासा चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इस अभियान में दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं और इनमें से एक स्थानीय आतंकवादी है। शेष छिपे आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए इलाके की कड़ी घेराबंदी की गई है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं।

72 घंटे की भूख हड़ताल पर बैठीं के कविता

ओबीसी आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने की मांग

हैदराबाद, एजेंसी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के कविता ने सोमवार को हैदराबाद के धरना चौक पर 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की। उन्होंने तेलंगाना ओबीसी आरक्षण विधेयक को तत्काल पारित करने की मांग की, जो सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42प्रतिशत आरक्षण देता है। अपनी भूख हड़ताल से पहले एएनआई से बात करते हुए, कविता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेलने का आरोप लगाया। के कविता ने कहा कि हमने 72 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है और मांग कर रही हैं कि ओबीसी के लिए 42प्रतिशत आरक्षण की गारंटी देने वाला तेलंगाना ओबीसी विधेयक, जो राष्ट्रपति के पास लंबित है, को तुरंत मंजूरी दी जाए। वैकल्पिक रूप से, राज्यपाल के स्तर पर एक अध्यादेश भी लंबित है; हम मांग करते हैं कि इसे तुरंत पारित किया जाए। कांग्रेस और भाजपा दोनों तेलंगाना के ओबीसी के भाग्य से खेल रही हैं। उन्होंने रविवार को अपनी भूख हड़ताल की घोषणा की और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना के ओबीसी से झूठ बोल रही हैं। कांग्रेस ने चुनावों के दौरान ओबीसी के लिए 42प्रतिशत आरक्षण का वादा किया था। अब भाजपा कह रही है कि वह ओबीसी में मुसलमानों के न होने पर ही आरक्षण देगी। कांग्रेस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजे गए 42प्रतिशत आरक्षण विधेयक में मुसलमान शामिल हैं या नहीं। कविता ने आगे कहा, इन राष्ट्रीय दलों के झूठ को उजागर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमें इन दोनों राष्ट्रीय दलों से किसी तरह की स्पष्टता मिले, मैंने कल सुबह 10 बजे से 72 घंटे की भूख हड़ताल करने का फैसला किया है, जो 7 अगस्त को सुबह 10 बजे समाप्त होगी। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आगे कहा, सरकार ने मुझे अनुमति नहीं दी है। हमने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। हमारा मानना है कि यह सत्याग्रह, जो पूरी तरह से गांधीवादी और शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा, उच्च न्यायालय ओबीसी की आवाज़ उठाने में हमारा साथ देगा। लगभग 112 ओबीसी समुदाय हैं...।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में भारी बारिश , कई इलाके हुए जलमग्न

लखनऊ, संवाददाता। देशभर में मॉनसून की दस्तक ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया है। उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। संगम नगरी प्रयागराज के कई प्रमुख इलाके जलमग्न हो चुके हैं, जबकि वाराणसी समेत अन्य शहरों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और उनकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

यमुना में आई बाढ़ के कारण फतेहपुर जिले में कानपुर-बांदा मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। किशुनपुर-दांदो यमुना पुल का संपर्क मार्ग टूट जाने से इस रास्ते से आवागमन भी बंद हो गया है।

भूपेश बघेल की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा हाईकोर्ट जाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 2160 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाला समेत अन्य मामलों से जुड़े संबंधित धन शोधन के आरोपों में घिरे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सोमवार को कोई राहत न देते हुए उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हालांकि पिता-पुत्र से कहा कि वे इस मामले में पहले उच्च न्यायालय या निचली अदालत के समक्ष राहत की गुहार लगा सकते हैं। पीठ घ्ने याचिका अस्वीकार करते कहा, "हमें तथ्यों की सुनवाई क्यों करनी चाहिए? उच्च न्यायालय और विशेष अदालतें किस लिए हैं? ये असामान्यताएं (सीधे शीर्ष न्यायालय आने का) तभी सामने आती हैं जब कोई धनी व्यक्ति होता है। अगर ऐसा होगा तो आम नागरिक और आम अधिवक्ता के लिए इस अदालत में कोई जगह नहीं बचेगी।"

शिबू सोरेन ने आजीवन संघर्ष किया : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि झामुमो नेता ने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार तथा आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया। खरगे ने सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन से फोन पर बात करके उन्हें ढांढस बंधाया। शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं। उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उनके सुपुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात कर उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। दुःख की इस घड़ी में ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करे।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर 'पोस्ट' कर कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन सिर्फ सांसद और तीन बार मुख्यमंत्री नहीं थे, बल्कि ठीक 25 साल पहले झारखंड के निर्माण के लिए चलाए गए आंदोलन में वह निर्णायक भूमिका में थे। उन्होंने कहा, ''वह सचमुच एक महान व्यक्ति थे जिनका सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रति जुनून प्रेरणादायक था।

राज्य का दर्जा कब लौटाएंगे ? केंद्र से फारूक अब्दुल्ला का सवाल, बोले- जम्मू-कश्मीर के लिए क्या किया

श्रीनगर, एजेंसी। 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की समय-सीमा के बारे में पूछा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर अपना वादा पूरा करने का आरोप लगाते हुए, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कराने और लोगों को अपनी समस्याओं के बारे में बोलने के अधिकार से वंचित न करने का आग्रह किया। फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र पर निशाना साधते हुए पूछा कि वे राज्य का दर्जा कब लौटाएंगे? उन्होंने कहा था कि जैसे ही चुनाव होंगे और सरकार बनेगी, राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। उसका क्या हुआ? अब वे कह रहे हैं कि वे दो खाली विधानसभा सीटों पर चुनाव कराएंगे, लेकिन राज्यसभा की चार सीटों के चुनावों का क्या? वे लोगों को सदन में जाकर अपनी समस्याएं बताने के अधिकार से क्यों वंचित कर रहे हैं?

अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के लिए भाजपा द्वारा कुछ कार्यक्रमों की योजना बनाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, वरिष्ठ एनसी नेता ने कहा कि भाजपा के पास जश्न मनाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती बेरोजगारी और बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर सवाल उठाए। अब्दुल्ला ने कहा, उनके पास जश्न मनाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने (भाजपा ने) इस राज्य को बेहतर बनाने के लिए छह सालों में क्या किया? हमारे उच्च शिक्षित लड़के-लड़कियाँ बेरोज़गार हैं। महँगाई आसमान छू रही है। गरीब और गरीब होते जा रहे हैं, जबकि अमीर और अमीर होते जा रहे हैं। क्या यही उनकी उपलब्धि है? मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करना ही होगा; कोई रास्ता नहीं है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ष्उनके वायसराय यहाँ राजभवन में बैठे हैं। जम्मू-कश्मीर में एक सरकार है, लेकिन वायसराय ही मुख्य व्यक्ति हैं। समय आ गया है जब इसे बदलना होगा। यह एक लोकतांत्रिक देश है।

बाढ़ में फंसे गोवंश निकाले गए

प्रयागराज। द्रौपदी घाट स्थित एक डेयरी से बाढ़ में फंसे गोवंशों को बाहर निकाला गया। डेयरी संचालकों ने ही गोवंशों को बाहर निकाला। एक डेयरी संचालक ने बताया कि बाढ़ के विकराल होने का अंदाजा किसी को नहीं था। रविवार सुबह गंगा

का जलस्तर बढ़ता देख एक दर्जन गोवंशियों को बाढ़ से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। प्रशासन ने बाढ़ से घिरे इलाकों मे मवेशियों को रखने का भी इंतजाम किया है, लेकिन द्रौपदी घाट व आसपास के डेयरी संचालक शिविरों में नहीं जाते। डेयरी संचालक घाट को जाने वाले मार्ग किनारे ही मवेशियों को रखते हैं। डेयरी संचालक भी आसपास ही रहते हैं।

शिकायत करना पड़ा महंगा, घर में घुसकर पिटाई

प्रयागराज। शहर के ओमप्रकाश सभासद नगर निवासी डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता को नगर निगम में डेयरी संचालक के खिलाफ शिकायत करना महंगा पड़ गया। डॉ गुप्ता ने मोहल्ले में अवैध ढंग से डेयरी के संचालन और पशुपालन से लोगों को होने वाली परेशानी की लिखित शिकायत की थी। आरोप है कि इसकी जानकारी होने पर डेयरी संचालक गोलू यादव ने अपने परिवार के साथ मिलकर डॉ प्रमोद गुप्ता की घर में घुसकर मारपीट की। साथ ही जान से मारने तक की धमकी दी। डॉ गुप्ता ने धूमनगंज थाने में नामजद एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

एसआरएन में फाल्स सीलिंग टूटी, भीगे तीमारदार

प्रयागराज। रविवार को हुई जोरदार बारिश से एसआरएन अस्पताल तक मरीजों व तीमारदारों को पहुंचने में मुसीबत उठानी पड़ी क्योंकि एमजी मार्ग से लेकर अस्पताल के गेट तक सड़क जलमग्न रही। सड़क के दोनों छोर पर पानी का निकास न होने के कारण वाहनों को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी हुई। एसआरएन अस्पताल में जाने के लिए एक नया रास्ता बनाया गया है लेकिन उसके बारे में लोगों को जानकारी नहीं है। यहां तक कि मुख्य मार्ग से संपर्क मार्ग के लिए कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। वहीं भारी बारिश के चलते पुरानी बिल्डिंग के वार्ड नंबर 14 के पास व वार्ड एक के पास फाल्स सीलिंग गिरने से गैलरी में पानी टपकता रहा। इससे तीमारदारों की सामग्री भीग गयी। पोस्टमार्टम हाउस परिसर में कोई शेड न होने के कारण लोग भीगते रहे। स्ट्रेचर स्टैंड के पास पानी भर जाने से मरीजों को पीएमएसएसआई बिल्डिंग तक जाने में परेशानी हुई।

नोडल अफसरों को दी गई शिविरों में तैनाती

प्रयागराज। बाढ़ राहत शिविरों में आम नागरिकों को राहत देने के लिए नोडल अफसर तैनात कर दिए गए हैं। सीडीओ हर्षिका सिंह ने ड्यूटी लगा दी है। एनी बेसेंट स्कूल में एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, कंपोजिट स्कूल नार्वल में एडीएम नजूल संजय पांडेय, कैंट मैरिज हॉल में एडीएम नागरिक आपूर्ति विजय शर्मा,ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सीआरओ कुंवर पंकज, महबूब अली इंटर कॉलेज में चकबंदी बंदोबस्ती अधिकारी संजीव कुमार, सेंट जोसेफ गर्ल्स हाईस्कूल में एडीएम एफआर विनीता सिंह, रीगल गेस्ट हाउस में एडीएम नमामि गंगे संजीव शाक्य, वाईएमसीए में एडीएम प्रशासन पूजा मिश्रा, स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में सिटी मजिस्ट्रेअ विनोद कुमार सिंह और यूनिटी पब्लिक स्कूल करैली में जिला आबकारी अधिकारी सुशील मिश्र की ड्यूटी लगाई गई है।

रोशनबाग में बारिश में गिरा जर्जर मकान

प्रयागराज। शहर में बारिश से जर्जर मकान भी ढहने लगे हैं। रोशनबाग के तार बाबू गली में रविवार को झमाझम बारिश के बीच मोहम्मद कलीम बख्श का जर्जर मकान ढह गया। मलबे के नीचे किसी के नहीं आने से बड़ा हादसा टल गया। जर्जर मकान ढहने से मोहल्ले के लोगों में खलबली मची रही। खुल्दाबाद थाना प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि मोहम्मद कलीम बख्श के मकान में किरायेदार के साथ न्यायालय में मामला विचाराधीन है। जर्जर मकान में कोई नहीं रहता। इससे जानमाल की हानि नहीं हुई। मकान का एक हिस्सा रविवार को बारिश के बीच ढह गया था। उधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2023 में नगर निगम ने जर्जर मकानों को गिराने का सिर्फ कागजों पर अभियान चलाकर खानापूर्ति कर लिया था। क्षेत्र में कई जर्जर पुराने मकान हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का सबब बन सकते हैं।

गंगा-यमुना में कूद रहे युवाओं की बढ़ाई गई निगरानी

प्रयागराज। बाढ़ के बीच गंगा–यमुना छलांग लगाने वालों की पुलिस और सिविल डिफेंस ने निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस ने रविवार दोपहर दारागंज के नागवासुकि मंदिर के पास गंगा में छलांग लगा रहे युवकों को चेतावनी देकर छोड़ा। मंदिर के पास युवा मकान और दीवारों पर चढ़कर गंगा में छलांग लगा रहे थे। सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर ने युवाओं को गंगा में छलांग लगाता देखा तो दारागंज थाने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस कुछ मिनट में वहां पहुंची और युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने युवकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया। इस घटना के मद्देनजर सिविल डिफेंस के स्टाफ अफसर रविशंकर द्विवेदी ने बताया कि प्रयागराज में बाढ़ आते ही युवा गंगा–यमुना में कूदकर स्नान करते हैं। सिविल डिफेंस के स्टाफ अफसर ने कहा कि खतरे के निशान से ऊपर बह रही गंगा–यमुना में कूदना खतरे से खाली नहीं है। गंगा–यमुना के तेज प्रवाह में अच्छे से अच्छा तैराक भी बह सकता है। ग्रामीण इलाकों में गंगा–यमुना में युवकों के छलांग लगाने की सूचना मिल रही है। हादसा रोकने के लिए पुलिस और सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर अब गंगा–यमुना में छलांग लगाने वालों पर निगरानी कर रहे हैं।

चोक सीवर लाइन से बाहर निकलना दुश्वार

प्रयागराज। शहर में रहने के बावजूद अगर लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना पड़े तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजमी है। धूमनगंज के गयासुद्दीनपुर के बाशिंदे कई साल से एक पक्की सड़क न होने की परेशानी झेल रहे हैं। सीवर चोक होने से रास्ते पर गंदा पानी भरा हुआ है। हालात गांव से से भी बदतर हैं। स्थानीय लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार सुन नहीं रहे हैं। जनप्रतिनिधियों के पत्र को भी तवज्जो नहीं दी जा रही है। समस्या का समाधान न होने से लोग काफी निराश हैं। यहां पहुंचने पर परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

कहा, चोक सीवर के कारण यहां रहना दुश्वार होता जा रहा है। शिकायतों पर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं तो समाधान कैसे होगा। स्मार्ट सिटी की हकीकत देखनी हो तो आपको धूमनगंज के गयासुद्दीनपुर आना होगा, जहां चोक सीवर लाइनों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। चौम्बर ध्वस्त पड़े हैं, सीवर का गंदा पानी लगातार सड़क पर बह रहा है जिससे सड़क ताल–तलैया का रूप ले चुकी है। मजबूरी में लोगों ने पानी भरे रास्ते पर बांस की चाहली डाल रखी है जिसके सहारे आ जा रहे हैं। छोटे स्कूली बच्चे भी जान जोखिम में डालकर इस चाहली से होकर गुजरते हैं। लम्बे समय से इस समस्या से परेशान स्थानीय लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, स्थानीय पार्षद, महापौर और नगर आयुक्त से शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। परेशान लोग अपना दल विधायक वाचस्पति से मिले और समस्या बताई तो उन्होंने चार जुलाई को नगर आयुक्त को पत्र लिखकर समस्या के समाधान के लिए कहा लेकिन विधायक के पत्र के बाद भी कोई पहल नहीं हुई। सीवर का पानी सड़क और खाली प्लाटों में भरने के कारण हालत ऐसी हो गई है कि लोग अपने घरों में भी नहीं रह पा रहे हैं। खिड़की–दरवाजा बंद करने के बाद भी दुर्गंध पीछा नहीं छोड़ रही है। जल निकासी के लिए नहीं है पक्की नालियां यहां पानी की निकासी के लिए मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां नहीं बनाई गई हैं। जल निकासी की व्यवस्था न होने से कुछ देर की बारिश में मार्ग पर पानी भर जाता है और आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। बारिश का पानी कई दिनों तक जमा रहता है जिससे गंदगी और सड़न के कारण लोग परेशान रहते हैं। लोग काफी समय से जल निकासी के लिए नालियां बनाने की मांग कर रहे हैं लेकिन नाली नहीं बन सकी है। इस समस्या से लोग परेशान हो चुके हैं। सड़क का पता नहीं, दिखते हैं सिर्फ गड्ढे यहां पुष्प मांगलिक पार्क के आगे ढाल के पास पहुंचने पर सिर्फ गड्ढे ही दिखते हैं, सड़क का कहीं अता पता नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां कभी सड़क बनी ही नहीं। वह लोग पिछले दस वर्ष से भी अधिक समय से इन्हीं गड्ढों से होकर आने जाने को मजबूर हैं। जनप्रतिनिधि आते हैं और आश्वासन देकर चले जाते हैं लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं होता। पक्की सड़क न होने से सैकड़ो लोगों के लिए आवागमन की समस्या बनी हुई है। गिर गया पोल, जर्जर तार पैदा कर रहे खतरा बस्ती में मार्ग प्रकाश व्यवस्था के लिए लगा बिजली का पोल सड़कर गिर चुका है जिसे हटाया नहीं गया है। पोल एक प्लाट की चारदिवारी के सहारे टिका हुआ है। बिजली के तार भी जर्जर अवस्था में बेतरतीब ढंग से फैले हुए हैं जिससे कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। इसकी शिकायत लोगों ने बिजली विभाग के जिम्मेदारों से कई बार की लेकिन तार बदला गया न पोल हटाया गया। शिकायतें– –सीवर लाइन चोक है, चौम्बर ध्वस्त हो गए हैं। गंदा पानी सड़क और प्लाट में जमा है।

–आवागमन के लिए पक्की सड़क नहीं बनी है, लोगों को गड्ढों से होकर आना जाना पड़ रहा है। –जल निकासी के लिए पक्की नालियां नहीं बनी है, बारिश का पानी सड़क पर भर जाता है। –सफाई व्यवस्था का अभाव है, कचरे के ढेर लगे हुए हैं, बीमारी फैलने का पूरा अंदेशा है। –जर्जर बिजली के तार बेतरतीब ढंग से फैले हुए हैं, पोल गिरकर अटका हुआ है। सुझाव –चोक सीवर लाइनों की सफाई कराई जाए। ध्वस्त चौम्बरों को ठीक कराया जाए। –आवागमन के लिए डामर रोड एवं सम्पर्क मार्गों पर इंटरलाकिंग कराई जाए। –जल निकासी के लिए मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बनाई जाए। –सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दवा का छिड़काव किया जाए, नियमित फागिंग हो। –बेरतरतीब फैले जर्जर तारों को बदला जाए, गिरे पोल को हटा कर दूसरा लगाया जाए। हमारी भी सुनें – सीवर लाइन काफी समय से चोक है जिससे गंदा पानी सड़क पर जमा हो गया है। हम लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। सीवर की समस्या का समाधान होना जरूरी है।–सुमित सीवर का गंदा पानी भरा होने से हम रास्ता भी पार नहीं कर पाते, हमें घूमकर दूसरे रास्ते से जाना पड़ता है। हमारे बच्चे बांस की चाहली के सहारे रास्ता पार करते हैं जिससे खतरा बना रहता है।–सर्वेश राव कई वर्षों से हम लोग पक्की सड़क की मांग कर रहे हैं लेकिन सड़क नहीं बन सकी है। गड्ढे भरे ऊबड़ खाबड़ रास्ते से होकर हमें आना जाना पड़ता है। लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं।–आशुतोष सीवर लाइन चोक है, जल निकासी के लिए नालियां भी नहीं है जिसके कारण मार्ग पर हमेशा गंदा पानी लगा रहता है। सीवर व नाली की समस्या का समाधान होना आवश्यक है।–हर्ष कुमार सीवर की समस्या के लिए कई बार निगम के जिम्मेदारों से कहा गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है। चोक सीवर लाइन के कारण सड़क और खाली प्लाटों में गंदा पानी जमा हो रहा है।–हिमांशु सीवर की समस्या इतनी जटिल हो चुकी है कि रास्ता बंद हो गया है। छोटे–छोटे स्कूली बच्चे बांस की चाहली से होकर रास्ता पार करते हैं जिससे गिरने का खतरा बना रहता है।–दीपू पाल सीवर की समस्या के समाधान के लिए पार्षद, महापौर, विधायक एवं नगर आयुक्त से कई बार कहा गया लेकिन कुछ नहीं हुआ है। सीवर की समस्या का समाधान हो जाए तो राहत मिले।–राजेश राव सीवर लाइन जाम है, नाली बनी नहीं है इससे बड़ी समस्या पैदा हो गई है। सीवर का गंदा पानी मार्ग पर जमा है, हम लोगों को आने जाने में काफी परेशानी है। इस समस्या का निदान होना आवश्यक है।–प्रदीप यादव कई साल से हम लोग पक्की सड़क की मांग कर रहे हैं। इसके लिए हर जगह फरियाद कर चुके हैं लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। सड़क और सीवर की समस्या का समाधान होना जरूरी है।–मोनू खान सीवर लाइन जाम पड़ी है और चौम्बर ध्वस्त हो चुके हैं जिससे गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। इससे हम परेशान हो चुके हैं। सीवर की समस्या का समाधान हो जाए तो राहत मिले।–अतुल गौतम सीवर की समस्या के लिए नगर निगम के अधिकारियों से कई बार कहा गया लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। हालत यह है कि हमारा रास्ता बंद हो गया है। हम घूम कर जाने को मजबूर हैं।–धीरज कुमार रास्ते पर सीवर का गंदा पानी भरा रहता है जिससे हमें काफी परेशानी हो रही है। हमारे बच्चे इसी गंदे पानी से होकर आते जाते हैं। सीवर की समस्या का स्थाई निदान होना जरूरी है।–मंगला देवी चोक सीवर लाइन के कारण हम काफी परेशान हैं, गंदा पानी जमा होने के कारण इतनी बदबू फैली रहती है कि घर में रहना भी मुश्किल हो जाता है। इससे बीमारी फैल सकती है।–उषा देवी गंदे पानी के जमाव और गंदगी के कारण कभी भी बस्ती में बीमारी फैल सकती है। इसके लिए निगम के जिम्मेदारों से कई बार शिकायत की गई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका है।– पंकज सीवर चोक है, गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। जगह–जगह कचरा फैला हुआ है। सफाई कभी होती ही नहीं जिससे बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।– बीना देवी बोले जिम्मेदार गयासुद्दीनपुर के सीवर की समस्या अभी संज्ञान में आई है, इसे दिखलाया जाएगा और समस्या के शीघ्र समाधान का प्रयास किया जाएगा। जाम सीवर और जलभराव की समस्या नहीं होने दी जाएगी।–आशुतोष यादव, एक्सईएन , जलकल नगरीय, निर्माण खंड प्रथम बोलीं पार्षद चोक सीवर लाइन की समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए नगर आयुक्त और महापौर को पत्र दिया जा चुका है। यहां की पाइप लाइन काफी पुरानी है जो बैठ गई है, जिसे बदलने पर ही समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।–दीपिका सिंह पटेल

वासुदेव को पानी से बचाने का छात्रा ने अपनी छत से कैद किया था दृश्य

प्रयागराज। भगवान कृष्ण को जैसे उनके पिता वसुदेव ने तेज बारिश के बीच सिर पर रखकर यमुना को पार किया था, ठीक उसी तरह का दृश्य राजापुर में इविवि की छात्रा अनामिका यादव ने देखा तो उसे मोबाइल में कैद कर दिया। अनामिका ने दावा किया है कि उसी ने यह वीडियो मोबाइल में कैद किया जो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। राजापुर निवासी अनामिका ने बताया कि वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रही हैं। उनके मोहल्ले में बाढ़ आ चुकी है। शनिवार को वह छत पर थीं। गली में कमर से ऊपर तक पानी है।

शनिवार दोपहर करीब 12 बजकर 29 मिनट पर अनामिका ने देखा कि एक युवक अपनी पत्नी के साथ नवजात को दोनों हाथों से ऊपर उठाकर ले जा रहा है। बाढ़ का पानी युवक के सीने तक पहुंच गया था। उसकी पत्नी उसे पकड़कर चल रही थी। दंपती मासूम को बचाने की जद्दोजहद कर रहे थे। कुछ दूर आगे जाने के बाद एक अन्य युवक पहुंचा और मासूम को ले लिया, वहीं पहले युवक ने महिला को अपने कंधे का सहारा देकर आगे ले गया। यह पूरा घटनाक्रम अनामिका ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया।

इसके बाद उन्होंने अपने साथ पढ़ने वाले प्रदीप पटेल को यह वीडियो शेयर किया। प्रदीप ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इसके बाद यह वीडियो वायरल हो गया। बॉक्स गंगा मइया की आरती करते दरोगा का वीडियो वायरल प्रयागराज। दारागंज में गंगा मइया की आरती करते हुए यूपी पुलिस के एक दरोगा का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। वायरल वीडियो में दरोगा चंद्रदीप निषाद गंगा मइया की आरती कर रहे हैं। गंगाजल दहलीज पर आने के बाद उसकी आरती उतारकर वहां पर फूल चढ़ा रहे हैं। दूसरा वीडियो उनके कमरे के अंदर का है। गंगा मइया अब उनके घर के अंदर प्रवेश कर चुकी हैं और वह पूजा करते हुए नजर आते हैं।

वायरल वीडियो के बढ़ते व्यू

प्रयागराज में गंगा और यमुना का रौद्र रूप–13लाख व्यू, मां बाप नवजात को बाढ़ के बीच ले जाते हुए –17 लाख व्यू, प्रयागराज में बाढ़ नहीं रुक रहा–1.31 लाख व्यू, प्रयागराज में बाढ़ में आ गई डाल्फिन–10 लाख व्यू

डेढ़ दर्जन कॉलेजों में तीन साल से एक भी दाखिला नहीं

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध मंडल के लगभग डेढ़ दर्जन कॉलेजों में परंपरागत स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में पिछले तीन वर्षों से एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया है। इस स्थिति को देखते हुए संबंधित कॉलेजों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह

किया है कि इन पाठ्यक्रमों को बंद कर दिया जाए। राज्य विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी लगातार शून्य नामांकन वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन कॉलेजों में बीए और एमए जैसे पाठ्यक्रम संचालित हो रहे थे, लेकिन छात्रों की अनुपस्थिति और शिक्षण गतिविधियों के ठप पड़ने से शिक्षा का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा था। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार ने बताया कि मंडल के कई कॉलेज प्रबंधनों ने लिखित रूप से सूचित किया है कि बीए और एमए जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों में लगातार छात्रों का रुझान नहीं रहा है। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया है कि इन पाठ्यक्रमों की मान्यता समाप्त कर दी जाए। विश्वविद्यालय इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

रातभर अफसरों ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य का जायजा जिला प्रशासन के अफसरों ने रविवार पूरी रात लिया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, नगर आयुक्त सीलम साई तेजा, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र ने बघाड़ा, सलोरी, राजापुर आदि क्षेत्रों का दौरा करके लोगों से बात की। घरों में रह रहे लोगों से कहा कि वो बाढ़ राहत शिविरों में जाएं और सुरक्षित रहें। डीएम ने कहा कि हमारी तैयारी पूरी है। अफसरों की टीम लगातार निरीक्षण कर रही है। हर राहत शिविर में अफसरों को नोडल बना दिया गया है। अगर किसी को समस्या है तो वो कंट्रोल रूम में फोन कर सूचना दे सकता है।

रेल पुलों पर बढ़ी निगरानी, पल-पल ले रहे अपडेट

प्रयागराज। बाढ़ के पानी के साथ अब रेलवे पुलों से भी पल–पल की अपडेट निकलने लगी है। उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में 12 प्रमुख नदियों पर बने 20 रेल पुलों पर जलस्तर निगरानी प्रणाली सक्रिय कर दी है। ये प्रणाली हर क्षण नदी के जलस्तर की जानकारी कंट्रोल रूम तक पहुंचा रही है, जिससे बाढ़ की स्थिति में ट्रेनों के संचालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रयागराज में यमुना में तेजी से पानी बढ़ रहा है। रविवार को रेल पुल का एक फोटो खूब शेयर हुआ जिसमें पानी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। हालांकि रेलवे की तरफ से अभी अलर्ट जारी नहीं किया गया है। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि आधुनिक तकनीक की मदद से सभी रेल पुल पर निगरानी की जा रही है। अभी स्थिति सामान्य है। इसी तरह फाफामऊ और झूंसी रेल पुल पर संबंधित टीम निगरानी कर रही है।

कठिन परिस्थितियों में छाया ने निभाया दायित्व: डा. वीके पांडेय

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के पीएमएसएसवाई बिल्डिंग के ओपीडी सभागार में रविवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर सहायक नर्सिंग अधीक्षक छाया ऑस्टिन, सहायक नर्सिंग अधीक्षक सरिता सिंह–द्वितीय और नर्सिंग ऑफिसर शफरूनिशां के सेवानिवृत्त होने पर सम्मानित किया गया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने कहा कि छाया ऑस्टिन ने कठिन परिस्थितियों में पूरी निष्ठा के साथ दायित्व का निर्वाहन किया। उन्होंने कैंसर जैसी असाध्य बीमारी को मात देकर अपनी सेवाएं प्रदान दीं। डॉ. शबी अहमद ने कहा कि छाया का व्यक्तित्व नर्सिंग सेवा से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और एसआरएन नर्सिंग संघ की ओर से उपहार भेंटकर सम्मानित किया किया।

अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए पहली बार `स्पेशल बैक परीक्षा

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय ने स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए पहली बार 'स्पेशल बैक परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह ऐसे छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा जो अंतिम वर्ष या अंतिम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण थे। अब इन छात्रों को सालभर इंतजार नहीं करना पड़ेगा, बल्कि वे अगस्त में ही विशेष परीक्षा देकर अपनी डिग्री समय से प्राप्त कर सकेंगे। इससे पहले छात्रों को बैक पेपर की परीक्षा अगली नियमित परीक्षा के साथ देनी होती थी, जिससे उनकी डिग्री में एक वर्ष का विलंब हो जाता था।

जैन डायरेक्टरी में दो जिलों की पूरी जानकारी

प्रयागराज। प्रयागराज और कौशांबी के जैन तीर्थ, मंदिरों और समाज के लोगों की पूरी जानकारी जैन डायरेक्टरी में मिल जाएगी। जिसका लोकार्पण हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र ने किया है। डायरेक्टरी का संयोजन करने वाले प्रद्युम्न जैन ने बताया कि जैन समाज के पांच हजार से अधिक लोगों का विवरण इसमें दर्ज किया गया है। जिससे कि आने वाले समय और कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा समाज के लोगों को आमंत्रित किया जा सके।

बंदरों के झुण्ड का हमला साइकिल व बाइक सवार घायल

मोरना। मोरना –शुक्रताल मार्ग पर बंदरो के झुण्ड ने गुजर रहे राहगीरो पर हमला कर दिया। जिस कारण साइकिल व बाईक की भिड़ंत हो गयी जिसमे दो महिलाओ सहित चार व्यक्ति घायल हो गये घायलो को मोरना अस्पताल लाया गया। गंभीर रूप से घायल साईकिल सवार को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। भोपा थाना क्षेत्र के मोरना मे शुक्रताल मार्ग

पर सरकारी अस्पताल के पास बाईक व साईकिल की भिड़ंत हो गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र क्षेत्र के गांव बरूकी निवासी अन्नू कुमार, रुपन, कमलेश बाईक द्वारा इलाहबास गांव मे रस्म तेहरवीं मे शामिल होने जा रहे थे। दूसरी ओर साइकिल सवार अज्ञात युवक शुक्रताल की ओर से आ रहा था। तभी बंदरो के झुण्ड ने हमला कर दिया। जिससे साईकिल सवार घबरा गया और उसका संतुलन बिगड गया। जिससे उसकी साईकिल बाईक से जा टकराई। घायलों को उपचार के लिए निकटवर्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाया गया।गंभीर रूप से घायल अज्ञात साईकिल सवार को बेहोश हालत मे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

डा. अर्जुन सिंह ने संभाली जानसठ सीएचसी की कमान

जानसठ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया ने जिले में तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को इधर से उधर किया है। बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अर्जुन सिंह को जानसठ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जानसठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी को भोपा और भोपा के प्रभारी को बुढ़ाना का प्रभारी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर

अर्जुन सिंह लंबे समय से जनपद मे प्रभारी चिकित्साधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और अपने मिलनसार व्यवहार से अपनी अच्छी छवि बनाए हुए हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ अर्जुन सिंह ने कहा कि सीएचसी में स्टाफ की कमी की पूर्ति के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा उनकी प्राथमिकता में सभी मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है। डॉ अर्जुन सिंह ने कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सुनील तेवतिया के निर्देशानुसार अवैध रूप से संचालित और बिना रजिस्ट्रेशन के नर्सिंग होम्स पर कार्यवाही जारी रहेगी।

समस्याओं के निवारण को भाकियू अराजनैतिक ने दिया धरना

मोरना। विकास को लेकर एक ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के बड़े दावे जारी हैं। वहीं बारिश के बीच भाकियू अराजनैतिक संगठन ने क्षेत्र की आम समस्याओं को लेकर सोमवार को ब्लॉक कार्यालय पर धरना दिया। व बीडीओ को ज्ञापन देकर शीघ्र समस्याओं के निवारण की मांग की है। मोरना ब्लॉक् कार्यालय पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के कार्यकर्ताओ

ने ब्लॉक् अध्यक्ष अंकित जावला के नेतृत्व मे शासन प्रशासन के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया।अंकित जावला ने बी डीओ अक्सीर खान को ज्ञापन देकर बताया की सरकारी अधिकारियो कर्मचारियों द्वारा किसानो को उचित सम्मान नहीं दिया जा रहा है।समय पर किसानो को बीज व कीटनाशक नहीं मिल पा रहे हैं। जिससे किसानो की आमदनी नहीं बढ़ रही है। आधार कार्ड को अपडेट कराने के लिए घंटो तक लम्बी लाइन मे लगना पड़ रहा है। गांव मे सफाई न होने से भारी गंदगी फैली हुई है।मच्छरो से बचाव को नियमित फोगिंग नहीं होती है। पात्र व्यक्तियों को पेंशन का लाभ नहीं मिलना व मकान नहीं बनना। आवारा पशुओं की व्यवस्था न होना आदि समस्याओं से अवगत कराया गया। तथा शीघ्र समस्याओं के निदान की माँग की गयी। इस दौरान राजीव सहरावत, अरविन्द चौधरी, यशपाल राठी, आकाश, रियाज़, आबिद, मनोज, इरशाद, शाह नज़र, मोनू, इंतज़ार आदि मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या को लेकर गोवर्धन के विधायक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

मथुरा। गोवर्धन के विधायक ठाकुर मेघश्याम ने जे एस बी ग्रुप के चेयर मेन एच के भदौरिया ने लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर गोवर्धन क्षेत्र की जलभराव की समस्या से अवगत कराया।गौरतलब है कि श्री कृष्ण की नगरी का गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र एक धार्मिक स्थल है जहां बारिश के दिनों में जगह

जगह जलभराव हो जाता है जिससे क्षेत्र के किसानों और श्रद्धालुओं को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। खेतों में भी जलभराव किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है वहीं मार्गों में जलभराव से ग्रामीणों को आवागमन में काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवर्धन क्षेत्र के विधायक ठाकुर मेघश्याम को क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वाशन दिया है।

रज्जू भय्या विवि में संस्कृत सप्ताह उत्सव का शुभारम्भ

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज के शैक्षणिक परिसर में संस्कृत सप्ताह उत्सव का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी के स्वागत उद्बोधन के पश्चात उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत भाषा में भारतीय ज्ञान परंपरा के समस्त आयाम समाहित हैं। ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्रोत के रुप में संस्कृत का अध्ययन सभी के लिए आवश्यक है। विषय प्रवर्तक कुलानुशासक प्रो. राजकुमार ने कहा कि संस्कृत हृदय से जुड़ी हुई भाषा है जो भारतीय गरिमा की मूल प्रतिष्ठा करती है। मुख्य अतिथि के रुप में जे एन यू के आचार्य प्रो. रामनाथ झा ने कहा कि संस्कृ त भारत की एक मात्र ऐसी भाषा है जो वैश्विक बोध के साथ साथ अन्य भाषाओं की शब्दावली, वर्णमाला, संरचना को प्रदान करने वाली है। संस्कृ त भाषा की अधिकांश पाण्डुलिपियां भारत सरकार द्वारा संरक्षित हैं। संस्कृत के बिना भारतीय ज्ञान परंपरा की संकल्पना पूर्ण हो ही नहीं सकती। विषय उपस्थापक अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत समाज, संवेदना एवं साहचर्य की भाषा है। समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत अपने गुणों के कारण अतुलनीय बनी

हुई है। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत भोग नहीं योग की भाषा है। इसके गर्भ में सनातन मूल्यों को विकसित करने की अद्भुत क्षमता है। वैश्विक एकता का उद्घोष करने वाली भाषा संस्कृ त अलौकिक है। इस अवसर पर संस्कृत विभाग के शिक्षक डॉ.पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा सहित डॉ.अनुज मिश्र, डॉ. अवनीश यादव, डॉ. मनोज कुमार यादव इत्यादि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। अनन्तजी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव,शिवानी सिंह, भूषण कुमार, आर्यन, विवेक पांडेय , सुनैना, नैन्सी, आकांक्षा, रिया, विद्या, विनीत द्विवेदी, अर्पित शुक्ला, हंसमुख कुमारी आदि विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। संचालन शोधच्छात्र नितिन त्रिपाठी ने किया। शोधच्छात्रा शिखा श्रीवास्तव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। संस्कृत सप्ताह उत्सव संयोजन मण्डल के सदस्य डॉ. पीयूष मिश्र के अनुसार संस्कृत सप्ताह उत्सव के अन्तर्गत 4 जुलाई से 9 जुलाई के मध्य संस्कृत विषयक विभिन्न छात्र प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी जिनमें संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, श्लोक पाठ प्रतियोगिता, शोधपत्र वाचन प्रतियोगिता प्रमुख हैं। निर्णायकों के आधार पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को समापन समारोह में आमंत्रित अतिथियों के हाथों पुरस्कृत व सम्मानित किया जायेगा।

सामाजिक समरसता का आधार हैं मेलेः स्वामी ओमानंद

मोरना। मोरना में श्रावण मास मे आयोजित होने वाले तीन दिवसीय जाहरवीर गोगा म्हाड़ी के प्रसिद्ध मेले का शुभारम्भ भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम, शुकतीर्थ के पीठाधीस्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने फीता काटकर शुभारंभ किया। तत्पश्चात भजन कीर्तन, बैंडबाजों एवं पूरे भक्त समूह के साथ म्हाड़ी पर पहुँचकर पूजन किया।

स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा कि लोक देवता जाहरवीर गोगा महाराज की श्रद्धा से की गयी पूजा आराधना विशेष समृद्धिमय फल देकर मनोकामना पूर्ण करती है। मेले भारतीय संस्कृति और सभ्यता का श्रंगार हैं। म्हाड़ी आदि के मेलों में हमारी भारतीय जीवन और संस्कृति का साक्षात दर्शन होता है। ऐसे भव्य और दिव्य आयोजन हमारी गौरवशाली

परम्परा और समृद्घ संस्कृति को और पुष्ट करते हैं। मेले सामाजिक एकता और समरसता का आधार हैं, जिनके द्वारा हमारी सांस्कृतिक विरासत समृद्ध होती है। मेले आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। म्हाड़ी मेलों से सामाजिक सद्भाव, सांप्रदायिक सौहार्द एवं एकता तथा धार्मिक सहिष्णुता एवं आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है। म्हाड़ी आदि के मेले आध्यात्मिक और समूह साधना के केंद्र माने जाते हैं।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा कि मोरना मे जाहरवी गोगा म्हाड़ी पर होने वाले प्राचीन मेले का विशेष महत्व है।

इस अवसर पर वहीं ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी, अमित चौधरी, कथाव्यास अचल कृष्ण शास्त्री, मोरना प्रधान नीरज राठी, प्रधान पति मिंटू राठी, मंडल अध्यक्ष अरूण पाल, संजय कौरी, टीटू, पुजारी गोपाल, दीपक मिश्रा, उत्तम चौरावाला, प्रदीप निर्वाल, महिपाल राठी, शुभम राठी, डॉ. सोनू, रजत राठी आदि मौजूद रहे।

सावन साहिल फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जलाभिषेक करने जा रहे कांवरियों का किया जोरदार स्वागत

प्रतापगढ़। श्रृंगवेरपुर से जलभर कर बाबा देवघाट महादेवन धाम मोहनगंज में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए गौरबारी गांव के जत्थे का बढ़नी मोड़ पर सावन साहिल फाउंडेशन के अध्यक्ष शील कुमार सिंह, ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं बाबा देवघाट महादेवन धाम के कोषाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, समाजसेवी राम विंद सिंह और बृजेंद्र सिंह पप्पू ने जोरदार स्वागत किया। जलपान के बाद फलाहार कराकर सभी कांवरियों का चरण वंदना कर सावन साहिल फाउंडेशन की टीम ने कांवरियों का आशीर्वाद प्राप्त किया। गौरबारी निवासी छेदी सिंह के नेतृत्व में तीन दर्जन कांवरियों ने शनिवार की शाम जलाभिषेक के लिए जल लेने के लिए श्रृंगवेरपुर रवाना हुए थे। शनिवार की ही देर रात श्रृंगवेरपुर से जल भरकर डीजे की धुन पर नाचते, बाबा के जयकारे लगाते हुए रविवार की शाम ऐतिहासिक बाबा देवघाट महादेवन धाम पहुंचे। सावन साहिल फाउंडेशन के अध्यक्ष शील कुमार सिंह ने कहा कि बाबा के भक्तों एवं कई दर्जन कांवरियों का स्वागत एवं सेवा करके खुद को सौभाग्यशाली महसूस करता हूं। बाबा के भक्तों की सेवा करने वालों की बाबा भोले नाथ सदैव मनोकामना पूर्ण करते है।

एडीओ पंचायत हंडिया को अवमानना की नोटिस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सहायक विकास अधिकारी (एडीओ पंचायत) हंड़िया सुदामा राम गवड़े को अवमानना नोटिस जारी किया। यह नोटिस आवेदक के अधिवक्ता मदन कुमार तिवारी को सुनकर जारी किया गया। आवेदक के अधिवक्ता मदन कुमार तिवारी का कहना था कि ब्लॉक हंडिया के ग्राम सभा पैगाहा में शासन से प्राप्त धन ग्राम सभा पैगाहा द्वारा किए गए व्यय सहित 14 बिंदुओं की सूचना एडीओ पंचायत हंडिया से आवेदक पैगाहा निवासी सुशील कुमार पाल द्वारा जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई थी। समय सीमा बीत जाने के बाद भी जन सूचना अधिकारी द्वारा सूचना नहीं प्रदान की गई। जिसके उपरांत जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज के यहाँ प्रथम अपील आवेदक सुशील कुमार पाल द्वारा की गई थी। प्रथम अपील के बाद भी सूचना प्रदान न करने पर आवेदक द्वारा उच्च न्यायालय में सुशील कुमार पाल द्वारा याचिका प्रस्तुत कर सूचना की मांग की गई। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा 4 सप्ताह के अंदर याची को सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश एडीओ पंचायत हंडिया को दिया गया, परंतु 4 सप्ताह के अंदर सूचना नहीं प्रदान की गई। जिसके उपरांत सुशील पाल द्वारा उच्च न्यायालय में अवमानना की याचिका प्रस्तुत की गई, जिसके क्रम में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति नीरज तिवारी ने अवमानना करता एडीओ पंचायत हंडिया को नोटिस जारी कर यह पूछा है कि न्यायालय की अवमानना के लिए उन्हें क्यों न दंडित किया जाए।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने महिला बीट पुलिस कर्मियों के साथ की गोष्ठी, दिए आवश्यक निर्देश

मथुरा। सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देश पर सुरेश चंद्र रावत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मथुरा के द्वारा जनपद मथुरा के समस्त थानों में नियुक्त 51 महिला बीट पुलिस कर्मियों के साथ गोष्ठी की स विगत महीने में उनके द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई स निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से अपनी –अपनी बीट का भ्रमण करें स गुंडे और मनचले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनकी बीट सूचना दर्ज करवाऐ।

गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कनौजिया तथा महिला जागृति सेल प्रभारी रवि भूषण पांडे तथा समस्त महिला बीट पुलिस कर्मी उपस्थित थी।

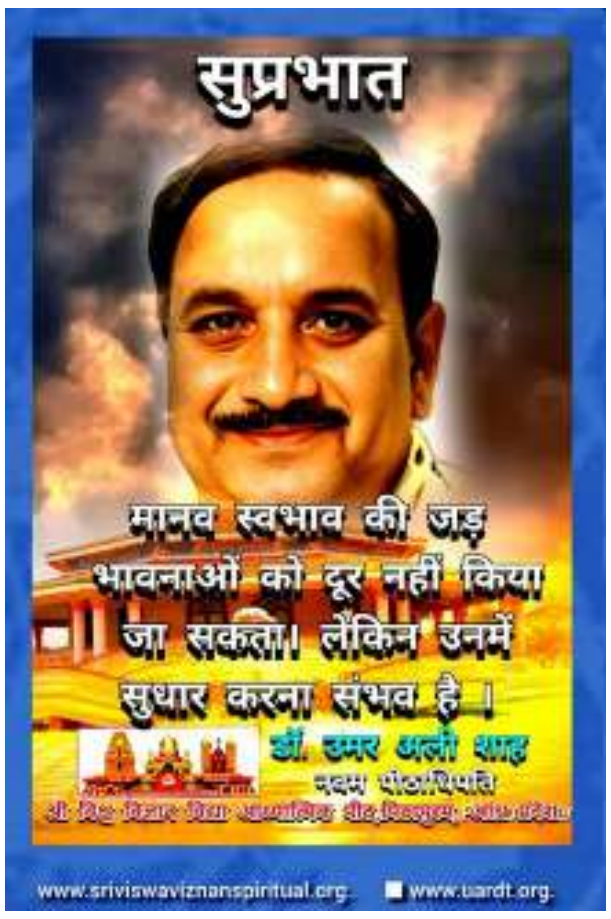

बन सावन–त्योहार

(कुण्डलिया)

सावन के अंतस बसा, गहरा गूढ़ रहस्य।
जीवन को हर्षित करे,वर्णित कर हर कथ्य।
वर्णित कर हर कथ्य,जाप वह शिव का करके।
दरिया को दे नीर, ताप धरती का हरके।
सुन लो कहें प्रदीप,लगे जो सबको भावन।
शिवमय है वह माह,जिसे सब कहते सावन।।

अतंस की शिव–साधना,हरा–भरा संसार।
तन–मन को दें ताज़गी, बन सावन– त्योहार।
बन सावन–त्योहार, प्रेम के रस में डूबे।
दिव्य अलौकिक ज्ञान, सभी को हैं यह देते।
सुन लो कहें प्रदीप,प्रकृति की अद्भुत बतरस।
मीठी करे जुबान, और मानव का अंतस।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम में सामूहिक दिव्य रुद्राभिषेक 6 अगस्त को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षो की भाँति सामूहिक दिव्य रुद्राभिषेक का आयोजन 6 अगस्त को दोपहर 1 बजे से होगा। रुद्राभिषेक में प्रबन्ध समिति सदस्यों सहित क्षेत्र के सैकड़ो गण मान्य नागरिक, स्थानीय जन प्रतिनिधि व शिव भक्त प्रतिभाग करेंगे। यह जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने बताया की संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र व पुजारी भोला नाथ की देखरेख में सभी के कल्याण हेतु समापन पर यह आयोजन होता है। रक्षाबंधन के दृष्टिगत यह आयोजन 6 अगस्त को हो रहा है। रुद्राभिषेक में विधायक जीतलाल, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, महासचिव समाज शेखर व थानाध्यक्ष जेठवारा सुभाष यादव व चौकी प्रभारी राजीव वर्मा सहित सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारी व संरक्षक गण प्रतिभाग करेंगे।

आचार्य बालकृष्ण जी का जन्मोत्सव जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया

प्रतापगढ़। पतंजलि योग समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रतापगढ़ ने जिला कार्यालय पर श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी का जन्मोत्सव जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस को यादगार बनाने के लिए भारत स्वाभिमान ,युवा भारत,पतंजलि किसान सेवा समिति ,महिला पतंजलि एवं भारत विकास परिषद्

के संयुक्त तत्वाधान में औषधीय पौधों का पौधरोपण किया गया इस अवसर पर पतंजलि जिला प्रभारी गोविन्द जी, भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी –भूपेंद्र जी, जिला संगठन मंत्री धीरज जी, किसान प्रभारी कृष्ण कुमार जी, भारत स्वाभिमान महामंत्री नारायण जी, वरिष्ठ सदस्य अभय जी एवं भारत विकास परिषद् के कार्यकर्ता अश्विनी जी, उदय भानु जी, संजीव जी, शरद जी बृजेन्द्र जी, श्री नारायण जी ने सहभागिता की। जनपद में संचालित योग कक्षाओं यथा जनपद उद्यान प्रतापगढ़, यूनिवर्स एकेडमी योग कक्षा, होलीफेथ पब्लिक स्कूल योग कक्षा, रानीगंज तहसील योग कक्षा, बाबूगंज, कुंडा, आसपुर देवसरा, बेंती, लालगंज सरस्वती विद्या मंदिर, आर्य समाज मंदिर, दैनिक जागरण कार्यालय में भी इस आयोजन को पतंजलि और भारत विकास परिषद के कर्मठी कार्यकर्ताओं ने जड़ी बूटी दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया।

सम्पादकीय.....

आश्वासनों की औपचारिकता

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठने वाले सवालों पर सरकारें आमतौर पर भविष्य में सब कुछ ठीक कर देने के आश्वासनों की औपचारिकता पूरी करने में कोई कमी नहीं करतीं, लेकिन जब जमीनी कार्रवाई के स्तर पर कुछ ठोस हासिल की बात होती है, तब सच्चाई सामने आ जाती है। हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जाने वाले अभियानों में या तो दृष्टि की कमी साफ दिखती है या फिर हद दर्जे की लापरवाही बरती जाती है। कई बार महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए प्रकारांतर से उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। गुजरात के अहमदाबाद से आई यह खबर हैरान करती है कि यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता फैलाने के लिए जिस तरह के संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए, उससे यही पता चलता है कि या तो ऐसे आयोजन संचालित करने वाले के पास न्यूनतम संवेदना और समझ नहीं है या फिर वे एक आपराधिक मानसिकता का बचाव कर रहे हैं। गौरतलब है कि अहमदाबाद में यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के लिए कथित तौर पर जो पोस्टर लगाए गए थे, उनमें बलात्कार या सामूहिक बलात्कार से बचने के लिए महिलाओं को 'देर रात पार्टी में' या 'अपने दोस्त के साथ अंधेरे और सुनसान इलाके में' न जाने की सलाह दी गई थी। यह महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के प्रति एक बेहद जड़, संकीर्ण और प्रतिगामी दृष्टिकोण है। जाहिर है, इस मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, तब अहमदाबाद यातायात पुलिस ने सफाई दी कि ऐसे संदेशों वाले पोस्टरों में उनका हाथ नहीं है। सवाल है कि अगर यातायात पुलिस की जानकारी या सहमति के बिना किसी कथित गैरसरकारी संगठन ने ऐसे पोस्टर लगाए तो सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी ने इसकी जांच क्यों नहीं की? सामाजिक मनोविज्ञान की हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर काम करने वाले किसी गैरसरकारी संगठन की भी दृष्टि इस कदर संकीर्णता और जड़ता से ग्रस्त है। अफसोस की बात है कि जो संगठन और सरकारी महकमे महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करने का दावा करते हैं, उनके भीतर इतनी भी बुनियादी संवेदनशीलता और समझ नहीं है कि वे किसी अपराध के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा न करें।

आधा-अधूरा कृत्रिम मेधा का ज्ञान देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक

संजीव ठाकुर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी नब्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। कृत्रिम मेधा की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो गये हैं। अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है।आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदी अरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसानदेय भी हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारध ाारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है। अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है। वैसे यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं। खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34: बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण

हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंस यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैस यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंस दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैस राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अशोक मधुप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रंप ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रंप ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रंप सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को बुरा बिजनेस फैसला बताया। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी, महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है। अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई–साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट–टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है। अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं। मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2: हो गई। अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, श्अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।श अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। 02 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा। भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है। भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग–थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई। भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है। एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले। भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ.35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तय किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी। हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है। यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी। इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम, अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सॉफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सॉफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद.फरोख्त बंद करनी पर होगी। भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।

ट्रंप को मोदी की दो टूक

प्रेम शर्मा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के खिलाफ उठाए गए तीखे व्यापारिक कदमों और विवादित बयानों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिवस वाराणसी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए भारत के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का दमदार संदेश दिया। भारत के लिए अपने किसानों, युवाओं और छोटे उद्यमियों की रक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है. हम किसी भी देश के दबाव में न अपने फैसले बदलेंगे, न अपने संकल्प।। यह एक तरह से अमरीका राष्ट्रपति को दो टूक जबाब है।प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है, और इसके लिए 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' के लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। निश्चित रूप से भारत का यह संकल्प अमरीका की आर्थिक स्थिति पर वह चोट पहुंचायेगा जिसकी अमरीका को कल्पना भी नही होगी। मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहाकि ऐसे समय में जब दुनिया अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, भारत को अपने आर्थिक आत्मबल और रणनीतिक नीति–निर्माण पर पूरी तरह ध्यान देना होगा। इतना तो यह है कि डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों ने भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है। भारत पर भारी शुल्क लगाने, पाकिस्तान के साथ रिफायनरी साझेदारी और यहां तक कि भारत से तेल व्यापार खत्म करने की संभावना तक जताई हैं जिससे भारतीयों में डोनाल्ड ट्रंप के रवैये से आघात पहुंचा है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत यानी मृत कहकर दुनिया भर में विवाद छेड़ दिया। इस पर पलटवार करते हुए पीएम मोदी ने कहाकि कुछ लोग भारत की ताकत भूल गए हैं। हमारी आर्थिक प्रगति, हमारे युवा और हमारी नीतियां दुनिया के लिए उदाहरण बन रही हैं। 2024 में भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज कराई जो वैश्विक औसत से कहीं बेहतर है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 670 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। जो विश्व में सबसे बड़े भंडारों में से एक है।2024 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 120 अरब डॉलर का व्यापार अकेले अमेरिका के साथ हुआ। क्या इस आकड़े को अमरीका नजर अन्दाज कर सकता है ? 2025–26 के बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 2 लाख करोड़ और किसानों के लिए 1. 52 लाख करोड़ की सहायता की घोषणा की गई है।इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक स्थिति स्थिर ही नहीं, बल्कि लगातार प्रगति की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भले ही कुछ नेता या विदेशी नेता कुछ भी कहें भारत को इससे कोई फर्क नही पड़ता। प्रवासियों के खदड़ने की घटना के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अचानक से भारत को लेकर बेहद आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्स्ट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप कृषि और डेयरी सेक्टर में अमेरिका के लिए खुली छूट चाहते हैं। ऐसा करना भारतीय किसानों के हित में नहीं होगा और सरकार को इस मामले में बिल्कुल भी नहीं झुकना चाहिए। वैसे भी व्यापार एकतरफा फायदे को देखकर नहीं किया जा सकता। हालाकि दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के साथ असहमति की जो वजहें गिनाई हैं, उसमें रूस से तेल खरीदना प्रमुख है। वैसे तो 2022 तक भारत की तेल आपूर्ति में रूस का हिस्सा सिर्फ 1 प्रतिशत था। आज यह आंकड़ा 35–40 प्रतिशत है, और जरूरत पड़ने पर इससे पीछे हटना संभव है, क्योंकि अब रूसी तेल पर पहले जितना फायदा नहीं हो रहा फिर भी यहां बात केवल फायदे नहीं, दो देशों के रिश्तों और हक की भी है। भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। आखिर अमेरिका ने भी तो उस पाकिस्तान के साथ डील की, जो वैश्विक मंचों पर कई बार आतंकवाद की शरणस्थली साबित हो चुका है। ऐसे में पाक के प्रति अमरीका का लगाव भारत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वैसे भी ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर ऐसे में जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ।

डॉ. अंबेडकर की राज्य समाजवाद और समाजवादी अर्थव्यवस्था तथा वर्तमान कॉर्पोरेट एवं बाजार आधारित अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रतिक्रिया

एस आर दारापुरी

डॉ. बी.आर. अंबेडकर, राज्य समाजवाद और समाजवादी अर्थव्यवस्था के कट्टर समर्थक थे, उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए आर्थिक न्याय, समानता और राज्य के हस्तक्षेप पर जोर दिया। 'स्टेट्स एंड माइनॉरिटीज' (1947) जैसी रचनाओं में उल्लिखित उनकी दृष्टि ने प्रमुख उद्योगों के सार्वजनिक स्वामित्व, संसाधनों के समान वितरण और आर्थिक शोषण के खिलाफ सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी। इसे देखते हुए, आज की कॉर्पोरेट और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था पर उनकी यद्यपि सूक्ष्म प्रतिक्रिया सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण के आधार पर आलोचनात्मक होगी। अंबेडकर संभवतः कार्पोरेट्स में धन और शक्ति के संकेन्द्रण को आर्थिक असमानता के रूप में देखते थे जो सामाजिक न्याय को कमजोर करती है। कृषि, बीमा और प्रमुख उपयोगिताओं जैसे उद्योगों पर राज्य नियंत्रण में उनका विश्वास बताता है कि वे अनियंत्रित निजीकरण और कॉर्पोरेट एकाधिकार का विरोध करेंगे। – वे तर्क दे सकते हैं कि लाभ–संचालित बाजार अर्थव्यवस्था जाति और वर्ग असमानताओं को बढ़ाती है, क्योंकि हाशिए पर पड़े समूहों को अक्सर प्रतिस्पर्धी प्रणाली में पूंजी, शिक्षा और अवसरों तक पहुंच की कमी होती है। दलितों और अन्य उत्पीड़ित समूहों के उत्थान पर अंबेडकर का ध्यान उन्हें प्रणालीगत असमानताओं को संबोधित करने में बाजार अर्थव्यवस्था की विफलता की आलोचना करने के लिए प्रेरित करेगा। वे बता सकते हैं कि कॉर्पोरेट द्वारा संचालित विकास अक्सर ग्रामीण और वंचित आबादी को दरकिनार कर देता है, जिससे वे शोषण के लिए असुरक्षित हो जाते हैं।वे प्रतिनिधित्व और आर्थिक समावेशन सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक संस्थानों में आरक्षण के लिए अपने प्रयास के समान निजी क्षेत्र में सकारात्मक कार्रवाई (आरक्षण) की वकालत कर सकते हैं। अंबेडकर शोषण को रोकने और न्यायसंगत धन वितरण सुनिश्चित करने के लिए बाजारों के मजबूत राज्य विनियमन की मांग कर सकते हैं। राज्य समाजवाद के उनके दृष्टिकोण में निजी लाभ पर सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रमुख क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण करना शामिल था, जो आज की विनियमन और मुक्त–बाजार नीतियों के विपरीत है। वह बाजार संचालित प्रणाली की असमानताओं का मुकाबला करने के लिए संपत्ति कर, भूमि सुधार या शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में सार्वजनिक निवेश जैसी नीतियों का प्रस्ताव कर सकते हैं। आलोचनात्मक होते हुए भी, अंबेडकर हठधर्मी नहीं थे और उन्होंने आर्थिक प्रगति की आवश्यकता को पहचाना। वह नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में बाजारों की भूमिका को स्वीकार कर सकते थे, लेकिन सामाजिक न्याय लक्ष्यों के साथ उन्हें संरेखित करने के लिए मजबूत नियंत्रण पर जोर देते थे। वह हाशिए के समूहों के लिए उद्यमशीलता और आर्थिक अवसरों का समर्थन कर सकते थे, बशर्ते राज्य सब्सिडी, प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुँच के माध्यम से समान अवसर सुनिश्चित करे। अंबेडकर वैश्वीकरण को संदेह की दृष्टि से देख सकते हैं, क्योंकि यह अक्सर स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता देता है। हालाँकि, वह सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक सहयोग में संभावना देख सकते थे, अगर यह उनके समतावादी सिद्धांतों के साथ संरेखित हो वह अवसरों (जैसे, शिक्षा, नौकरियाँ) को लोकतांत्रिक बनाने की प्रौद्योगिकी की क्षमता की सराहना कर सकते हैं, लेकिन इसके कॉर्पोरेट नियंत्रण की आलोचना कर सकते हैं, सार्वजनिक स्वामित्व या तकनीकी प्लेटफॉर्म के विनियमन की वकालत कर सकते हैं। अंबेडकर संभवतः इस बात पर प्रकाश डालेंगे कि जातिगत नेटवर्क किस तरह कॉर्पोरेट भर्ती और बाजार तक पहुंच को प्रभावित करते हैं, जिससे बहिष्कार कायम रहता है। वे इन बाधाओं को तोड़ने के लिए नीतियों पर जोर दे सकते हैं।डॉ. अंबेडकर संभवतः आज की कॉर्पोरेट और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था की ज्यादतियों का विरोध करेंगे, विशेष रूप से असमानता को बढ़ाने और कमजोर समूहों को हाशिए पर डालने की इसकी प्रवृत्ति का। वे मजबूत राज्य हस्तक्षेप, महत्वपूर्ण क्षेत्रों के सार्वजनिक स्वामित्व और दलितों और अन्य उत्पीड़ित समुदायों के लिए आर्थिक समावेशन सुनिश्चित करने वाली नीतियों के साथ मिश्रित अर्थव्यवस्था की वकालत करेंगे। बाजार संचालित विकास के लिए खुले रहते हुए, वे इसे सामाजिक न्याय और समानता के साथ संरेखित करने पर जोर देंगे, प्रणालीगत परिवर्तन के लिए एक उपकरण के रूप में राज्य समाजवाद के अपने दृष्टिकोण के प्रति सच्चे रहेंगे।

शाहरुख खान के लिए खास पोस्ट

शाहरुख खान को पहली बार मिला नेशनल अवॉर्ड तो बेटी सुहाना ने बधाई, अनदेखी तस्वीर शेयर कर लिखा-आपके जैसा कोई नहीं

भारतीय सिनेमा के किंग खान शाहरुख खान ने अपने लंबे फिल्मी करियर में पहली बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का सम्मान हासिल किया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार साल 2023 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'जवान' में उनके दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। यह उपलब्धि न केवल शाहरुख के लिए खास रही, बल्कि उनके प्रशंसकों और परिवार के लिए भी बेहद गर्व का क्षण बन गई है। हाल ही में किंग खान की लाडली सुहाना खान ने अपने पापा की इस अचीवमेंट पर अपनी खुशी जाहिर की है। शाहरुख खान के नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीतने पर उनकी बेटी सुहाना खान ने एक बेहद भावुक और प्यारी पोस्ट शेयर की। उन्होंने शाहरुख के साथ अपनी बचपन की एक अनदेखी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें वे पिता की गोद में नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ सुहाना ने कैप्शन में लिखा–'सोने के टाइम पर सुनाई जाने वाली स्टोरिज से लेकर ऐसी कहानियों तक जो छाप छोड़ जाती हैं, इन्हें आपके जैसा कोई नहीं सुना सकता। बधाई हो, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।' सुहाना की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तुरंत ही ध्यान खींचा और फैंस सहित कई सेलिब्रिटीज ने इसे लाइक किया और अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सिर्फ शाहरुख खान ही नहीं, बल्कि कई अन्य कलाकारों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके शानदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्टर का पुरस्कार भी मिला है। एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया। वहीं, करण जौहर की निर्देशित फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को भी दो कैटेगरीज में अवॉर्ड मिला है।

गुड न्यूज जल्दी देंगे..क्या शादी के डेढ़ साल बाद मां बनने वाली हैं परिणीति चोपड़ा? पति राघव की इस बात से मिला हिंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा की जोड़ी हाल ही में श्द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का हिस्सा बनी। शो में दोनों ने अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़े कई मजेदार और रोमांटिक किस्से शेयर किए। इस दौरान राघव ने ऐसा एक बयान दे दिया, जिसने फैंस के बीच हलचल मचा दी। तो आइए जानते हैं परी के पति ने ऐसा क्या कहा? शो के एक खास सेगमेंट में जब कपिल शर्मा ने मजाकिया अंदाज में राघव से पूछा कि शादी के बाद क्या उनके ऊपर बच्चे को लेकर परिवार की तरफ से कोई दबाव है, तो राघव ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया देंगे... आपको देंगे। गुड न्यूज जल्दी देंगे। राघव की इस बात पर जहां दर्शक जोर से हंस पड़े, वहीं परिणीति भी थोड़ी चौंकी हुई नजर आईं और उन्हें हंसी आ गई। इस हल्के–फुल्के अंदाज में कही गई बात को सोशल मीडिया पर कई लोग प्रेग्नेंसी का हिंट मान रहे हैं। बता दें, परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 2023 में एक पारंपरिक समारोह में शादी की थी, जिसमें बॉलीवुड और राजनीतिक जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। उनकी जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया है। शादी के बाद से ही दोनों अक्सर एक–दूसरे के साथ सार्वजनिक इवेंट्स में देखे जाते हैं और सोशल मीडिया पर एक–दूसरे के लिए प्यार जताते रहते हैं। जहां राघव अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं, वहीं परिणीति चोपड़ा अपने फिल्मी करियर में नए मुकाम छू रही हैं। हाल ही में उन्हें दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने एक सिंगर की भूमिका निभाई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

कुली' भुजाओं में टैटू, कंधे पर जैकेट.. आत्मविश्वास से लबरेज आमिर खान ने ली एंट्री तो तालियों से गूंज उठा माहौल

सुपरस्टार आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'कुली' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच हाल ही में चेन्नई में शनिवार को बड़े धूमधाम से 'कुली' का ट्रेलर किया गया। यह अवसर तब और खास बन गया जब आमिर खान ने इवेंट में पूरे स्वैग से धमाकेदार एंट्री की। एक्टर का स्टाइल और लुक देख माहौल तालियों से गूंज उठा, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आमिर खान जब इवेंट में पहुंचे तो उनका अंदाज बेहद अलग और दिलचस्प था। ब्लैक टैंक टॉप, डेनिम जीन्स, हाथ में ब्लैक जैकेट और बाजुओं पर टैटू– उनका यह रफ एंड टफ लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आत्मविश्वास से लबरेज आमिर खान ने जब एंट्री की तो दर्शकों ने जोरदार तालियों और शोर के साथ उनका स्वागत किया। एक्टर ने अपने फैंस का स्टाइलिश अंदाज में अभिवादन भी किया। इस दौरान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और फैंस कमेंट कर इस पर खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें, आमिर खान की 'कुली' का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं, जबकि फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स के कलानिधि मारन कर रहे हैं। यह फिल्म एक हाई–ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है, जिसमें रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी, श्रुति हासन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर और सत्यराज जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म में आमिर खान एक विशेष किरदार ष्दहाष के रूप में नजर आएंगे, जो उनके फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज है। 'कुली' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और उसी दिन ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर स्टारर 'वॉर 2' भी रिलीज हो रही है। दोनों बड़ी फिल्मों की टक्कर ने इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह और चर्चाओं का माहौल बना दिया है।

महावतार नरसिम्हा की दहाड़ से गूंजा बॉक्स ऑफिस, दूसरे शनिवार की करोड़ों की कमाई

ल। 'महावतार नरसिम्हा' ने अपने दूसरे शनिवार को 11.25 करोड़ की कमाई की, जिससे भारत में फिल्म की कुल ग्रॉस कमाई 79 करोड़ से भी ज़्यादा हो गई है और ये सिलसिला अब भी जारी है!क्लीम प्रोडक्शन्स की 'महावतार नरसिम्हा', जिसे होम्बले फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, सचमुच थमने का नाम नहीं ले रही। फिल्म लगातार पूरे देश में दर्शकों के दिल जीत रही है और एक जबरदस्त बॉक्स ऑफिस हिट बनकर उभरी है। थिएटर्स में भारी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है, और कलेक्शन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। होम्बले फिल्म्स ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। 1.35 करोड़ की ओपनिंग करने वाली इस फिल्म ने अपने दूसरे शनिवार को 11.25 करोड़ की चौंकाने वाली कमाई की है। इस तरह के ऐतिहासिक आंकड़े पहली बार देखने को मिल रहे हैं। ये भारतीय मनोरंजन जगत में सचमुच पहले कभी न देखा गया एक अद्भुत क्षण है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म की कुल ग्रॉस कमाई भारत में अब तक 79 करोड़ से भी ज़्यादा हो चुकी है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इस शानदार बॉक्स ऑफिस सफलता का जश्न मनाते हुए निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक शानदार पोस्टर शेयर किया और लिखा "बॉक्स ऑफिस पर एक दिव्य प्रकट रूप, 79 करोड़ जीबीओसी इंडिया और गिनती जारी,,,महावतार नरसिम्हा देशभर में जारी है इस महाकाव्य की विजय यात्रा।अब सिनेमाघरों में इस गर्जना को महसूस कीजिए।

रूपाली गांगुली ने टीवी कलाकारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की मांग की, कहा 'हम भी कड़ी मेहनत करते हैं'

हाल ही में हुए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों ने बॉलीवुड और अन्य क्षेत्रीय उद्योगों में उत्साह का माहौल बना दिया है। शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी जैसे जाने–माने सितारों ने जवान, मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे और 12वीं फेल जैसी फिल्मों में अपने–अपने अभिनय के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते। उद्योग जगत में बड़ी जीत के जश्न के बीच, रूपाली गांगुली ने सबसे अहम सवाल पूछा है: टेलीविजन कलाकारों के लिए कोई राष्ट्रीय पुरस्कार क्यों नहीं हैं? एक पपराज़ी इंस्टाग्राम पेज को दिए गए हालिया साक्षात्कार में, रूपाली ने टेलीविजन कलाकारों के लिए पुरस्कारों की कमी पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, सभी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हैं – फिल्मी सितारे, कंटेंट क्रिएटर। लेकिन टीवी कलाकारों के लिए कुछ नहीं है। कोविड–19 महामारी के दौरान भी, हम काम करते रहे। जब कोई फिल्मी सितारा लगातार काम करता है, तो वह सुर्खियाँ बनता है। लेकिन किसी ने इस बारे में बात नहीं की कि हम, टीवी कलाकारों ने कोविड के दौरान कैसे बिना रुके काम किया। मैं सरकार से अनुरोध करती हूँ कि वह हमारे प्रयासों को भी मान्यता दे। हम बहुत मेहनत करते हैं। टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली, जो सबसे पसंदीदा शो में से एक, अनुपमाँ में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, ने विरल भयानी के साथ एक बेबाक बातचीत में अपने विचार साझा किए। बिना किसी हिचकिचाहट के, उन्होंने कहा, ष्राष्ट्रीय पुरस्कार सबके लिए हैंकृफिल्मी सितारे, कंटेंट क्रिएटर। लेकिन टीवी कलाकारों के लिए कुछ नहीं। 'अनुपमाँ' टीआरपी चार्ट पर अपना दबदबा बनाए हुए है। रूपाली वर्तमान में हिट टीवी शो अनुपमाँ में अभिनय कर रही हैं, जो भारत में सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले धारावाहिकों में से एक है। यह शो लगातार टीआरपी चार्ट में शीर्ष 5 में बना हुआ है, और 29वें हफ़्ते में भी, यह शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। अनुपमाँ एक आम महिला की कहानी है जो जीवन की चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों का पीछा करती है। रूपाली के प्रभावशाली संदेश ने टेलीविजन उद्योग में प्रतिभाओं को समान पहचान दिलाने की आवश्यकता पर चर्चा को जन्म दिया है, जिसका प्रशंसक और कलाकार दोनों ही लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे।

बरसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क, तो भूलकर भी परिवार के साथ न जाएं इन जगहों पर

मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्टश जारी किया है। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए।

हिमाचल में कई सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है।

पर्यटक रहें अलर्ट

जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें।

इन जगहों पर जाना सही नहीं

कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है।धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है।

मानसून में सफर करने के दौरान बरतें सावधानी

–यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

–स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

–ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों।

–आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

–अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें।

ज्योतिष में रत्नों का महत्व उनके विशेष गुणों और ग्रहों से जुड़े प्रभाव के आधार पर माना जाता है। ये रत्न शुभता में वृद्धि करके व्यक्ति के जीवन में सफलता और उन्हें स्थापित करने में मदद करते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से, हर ग्रह को एक विशेष रत्न से जोड़ा गया है और इसका धारणा विशेष क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रेरित किया जाता है। उदाहरणार्थ, किसी व्यक्ति के करियर के विकास और प्रगति के लिए माणिक्य, पुखराज या मूंगा धारण किया जा सकता है, जो उनके ज्योतिषीय प्रोफाइल और ग्रहों के स्थिति के आधार पर निर्धारित किया जाता है। रत्नों के धारणा से व्यक्ति को वृद्धि और स्थिरता का संबंधित लाभ मिल सकता है, जो उनके करियर और जीवन के विभिन्न पहलुओं में मददगार साबित हो सकता है।

हीरा

शुक्र ग्रह का प्रतीक है। इसका धारणा सुख, धन, प्रेम और वैवाहिक सुख में वृद्धि करता है। कला, मनोरंजन, सौंदर्य उत्पादों, आतिथ्य और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

मोती

चंद्रमा के संबंध में है। फेफड़ों, छाती, मानसिक स्वास्थ्य और महिला स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं में लाभकारी है। चिकित्सक, नर्स, यात्रा एजेंट्स और नर्सिंग और आतिथ्य उद्योग में काम करने वाले इसे धारण कर सकते हैं।

पन्ना

बुध ग्रह का प्रतीक है। स्मृति और बुद्धि में सुधार करता है। शिक्षक, लेखक, संपादक, लेखांकन, बैंकर और संचार से संबंधित पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

माणिक्य

सूर्य ग्रह का प्रतीक है। साहस, नेतृत्व क्षमता और सामान्य जीवन शक्ति में वृद्धि करता है। सरकारी अधिकारी, राजनेता, डॉक्टर, रक्त संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सक और नेताओं के लिए यह उपयुक्त है।

मूंगा

मंगल ग्रह का प्रतीक है। आत्मविश्वास, साहस और शारीरिक शक्ति में वृद्धि करता है। सर्जन, रक्षा कर्मियों, इंजीनियर, खिलाड़ी और साहसी पेशेवरों के लिए उपयुक्त है।

पुखराज

गुरु ग्रह का प्रतीक है। आध्यात्मिक रुचि, ज्ञान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है। शिक्षक, धर्म शिक्षक, विद्वान, कानूनी पेशेवर और शैक्षिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए यह उपयुक्त है।

नीलम

शनि ग्रह का प्रतीक है। खनन, पेट्रोलियम, अभियांत्रिकी, श्रम, हड्डी संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए उपयुक्त है।

ये रत्न वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के अनुसार आधारित माने जाते हैं और उन्हें अनुभव के हिसाब से उपयुक्त राशि और ग्रह के लिए धारण किया जाता है।

जब आप लिपस्टिक का चयन करें तो स्किन टोन के अनुसार ही ध्यान रखें। मीडियम स्किन टोन के लिए एकदम परफेक्ट होंगी ये लिपस्टिक शेड्स। इन शेड्स को आप चेहरे पर अप्लाई करेंगी तो एक अलग ही चेहरे पर रौनक दिखेंगी। आज ही इन शेड्स की लिपस्टिक खरीदें।

अगर आपको मेकअप करना बेहद पसंद है और आप हमेशा से मेकअप के नए–नए प्रोडक्ट ट्राई करते रहते हैं तो ये लेख आप के लिए है। आमतौर पर महिलाओं को मेकअप करना खूब पसंद होता है, ऐसे में वे अक्सर मेकअप प्रोडक्ट खरीदती रहती हैं। महिलाओं की रोजमर्रा लाइफ में लिपस्टिक की खास अहमियत है। लिपस्टिक के बिना मेकअप अधूरा है, लिपस्टिक ही मेकअप की जान है। जब आप लिपस्टिक के शेड का चयन करें तो हमेशा स्किन टोन का खासतौर से ध्यान रखना जरुरी है। आइए इस लेख में जानते हैं मीडिय स्किन टोन के लिए डार्क लिपस्टिक के कुछ ट्रेंडी शेड्स।

चॉकलेट ब्राउन लिपस्टिक

ज्यादातर ब्राउन कलर को आई मेकअप के लिए चुना जाता है। अगर आप बोल्ड लुक पाने के लिए होठों पर चॉकलेट ब्राउन कलर की लिपस्टिक लगा सकती हैं। इसके साथ ही इसमें ब्राउन न्यूड शेड भी मिल जाएगा। वैसे तो यह शेड न्यूड है लेकिन देखने में यह काफी बोल्ड दिखता है। यह आपके लुक को एकदम शानदार बना देगा।

बोल्ड रेड लिपस्टिक

डार्क कलर्स में रेड लिपस्टिक को सबसे ज्यादा किया जाता है। आजकल सबसे ज्यादा साटन मैट यानी कम शाइन वाले लिप शेड को काफी पसंद किया जाता है। यह शेड आपके हर ड्रेस पर सूट करेगा। रेड कलर में ब्राइट से लेकर डल यानी डीप शेड्स आपको अपनी मीडियम स्किन टोन के हिसाब से देखने को मिल सकते हैं।

डार्क पिंक लिपस्टिक

अगर आप बोल्ड लुक पाना चाहती हैं तो पिंक पैलेट में लिपस्टिक की कोई कमी नहीं है, आप पीच की जगह गाजरी पिंक या रेडिश पिंक कलर की लिपस्टिक को चुन सकती हैं। इसमें आप ग्लॉस को शामिल भी कर सकते हैं या चाहे तो मैट में भी लिपस्टिक चुन सकते हैं।

हाथ-पैर सुन्न और झनझनाहट महसूस हो रही है? हो सकता है इस जरूरी विटामिन की कमी

अगर आपके हाथ या पैर अकसर सुन्न पड़ जाते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। कई बार ऐसा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन बार–बार ये समस्या होने पर आपको सतर्क होना चाहिए। शरीर का यह संकेत किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी भी हो सकती है, खासकर विटामिन बी12 की।

सुन्नपन की समस्या बार–बार हो तो हो जाएं सावधान

हाथ–पैर का सुन्न पड़ना या झुनझुनी होना कभी–कभी सामान्य होता है, जैसे देर तक एक ही पोजीशन में बैठने पर। लेकिन अगर यह समस्या लगातार हो रही हो तो यह आपके शरीर में किसी जरूरी विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में इसका इलाज करना जरूरी होता है।

विटामिन बी12 क्यों है जरूरी?

विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यह नसों को स्वस्थ रखने और दिमाग की सही क्रियाशीलता के लिए आवश्यक होता है। जब शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो नसों पर असर पड़ता है, जिससे हाथ–पैर सुन्न हो जाते हैं या उनमें झनझनाहट होने लगती है।

विटामिन बी12 की कमी से जुड़े अन्य लक्षण

सिर्फ सुन्नपन ही नहीं, विटामिन बी12 की कमी के और भी कई लक्षण होते हैं। इसमें लगातार थकावट महसूस होना, मांसपेशियों में ऐंठन, मूड स्विंग्स यानी अचानक मूड खराब होना, ध्यान न लगना और कमजोरी भी शामिल है। यदि ये लक्षण दिखें तो समझ जाइए कि आपकी बॉडी में यह जरूरी विटामिन कम हो सकता है।

कैसे करें अपनी डाइट में बदलाव?

विटामिन बी12 की कमी दूर करने के लिए अपनी डाइट में बदलाव लाना जरूरी है। दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद विटामिन बी12 के अच्छे स्रोत हैं। अंडे, मछली और मीट खाने वालों को भी इस विटामिन की पूर्ति इनके जरिए हो सकती है। शाकाहारी लोग फोर्टिफाइड फूड या सप्लीमेंट्स का सहारा ले सकते हैं।

डॉक्टर से कब लें सलाह?

अगर हाथ–पैर में सुन्नपन के साथ कमजोरी, चक्कर, या लगातार थकान महसूस हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें। सही टेस्ट के बाद ही पता चलेगा कि यह विटामिन बी12 की कमी है या कोई अन्य समस्या। बिना इलाज के यह परेशानी बढ़ सकती है।

छोटी समस्या को न बनने दें बड़ी परेशानी

हाथ–पैर का सुन्न होना छोटे से लगने वाला लक्षण कभी–कभी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है। इसलिए शरीर के इन संकेतों को गंभीरता से लें और समय रहते उचित इलाज कराएं ताकि आगे कोई दिक्कत न हो।

हार्ट अटैक से 7 दिन पहले दिखने लगते हैं ये संकेत, नजरअंदाज करने की गलती न करें

आजकल हार्ट अटैक सिर्फ बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। हाल ही में शेफाली जरीवाला की अचानक हार्ट अटैक से हुई मौत ने इस खतरे को और भी गंभीर बना दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि हार्ट अटैक आने से पहले शरीर कुछ संकेत जरूर देता है। लेकिन अक्सर हम इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

हार्ट अटैक आने से 7 दिन पहले दिखते हैं ये 7 संकेत

सीने में दर्द या जकड़न

सीने के बीचोंबीच हल्का दर्द, जलन या दबाव महसूस होना हार्ट अटैक के सबसे सामान्य और शुरुआती लक्षणों में से एक है। यह दर्द स्थिर हो सकता है या कभी–कभी बढ़ भी सकता है। कई बार यह दर्द कुछ मिनटों के लिए होता है और फिर ठीक भी हो जाता है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। खासकर जब यह दर्द श्वास लेने या शारीरिक गतिविधि के दौरान बढ़ता है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जरूरत से ज्यादा थकान

अगर आपको सामान्य कामकाज के दौरान भी असामान्य थकान या कमजोरी महसूस हो रही है, तो यह आपके दिल के कमजोर होने का संकेत हो सकता है। थकान इतनी ज्यादा हो सकती है कि रोजमर्रा के काम भी बोझ लगने लगें। महिलाओं में यह लक्षण ज्यादा दिखाई देता है क्योंकि वे अक्सर इसे तनाव या अनिद्रा की वजह से होने वाली थकान समझ बैठती हैं। परंतु यह हार्ट अटैक से पहले का एक महत्वपूर्ण चेतावनी संकेत हो सकता है।

सांस फूलना

सांस फूलना यानी सांस लेने में कठिनाई होना, खासकर बिना ज्यादा शारीरिक मेहनत किए भी, दिल के खराब होने का लक्षण हो सकता है। यह तब होता है जब दिल शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं पहुंचा पाता। इस समस्या से पीड़ित व्यक्ति को सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने में भी दिक्कत आ सकती है। सांस फूलने के साथ–साथ कभी–कभी खांसी या घबराहट भी महसूस हो सकती है।

चक्कर आना या सिर हल्का लगना

अचानक चक्कर आना या सिर हल्का–हल्का घूमना यह संकेत हो सकता है कि आपके दिल की धड़कन सही तरीके से रक्त प्रवाह नहीं कर पा रही है। इससे मस्तिष्क तक खून की आपूर्ति कम हो जाती है, जिसके कारण बेहोशी या अस्थायी चेतना खोने जैसी स्थिति भी हो सकती है। ऐसे लक्षणों को कभी भी हल्के में न लें, खासकर अगर यह बार–बार हो रहा हो।

ठंडा और चिपचिपा पसीना आना

बिना किसी शारीरिक परिश्रम के अचानक ठंडा पसीना आना, जो कि चिपचिपा भी हो, एक गंभीर चेतावनी है। यह शरीर का तनाव या शॉक की स्थिति दर्शाता है, जो हार्ट अटैक के पहले संकेतों में से हो सकता है। ऐसे में व्यक्ति को कमजोरी, घबराहट और बेचैनी भी महसूस हो सकती है। इस लक्षण को अनदेखा करने से स्थिति बिगड़ सकती है।

पेट से जुड़ी दिक्कतें

लगातार पेट में गड़बड़ी जैसे जी मिचलाना, अपच, पेट दर्द या उल्टी का होना कई बार हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। खासकर तब जब ये लक्षण सामान्य पाचन समस्याओं की तुलना में ज्यादा गंभीर और बार–बार हों। कई बार हार्ट अटैक के दर्द को पाचन या गैस की समस्या समझ लिया जाता है, जो कि गलतफहमी है और इससे जान को खतरा हो सकता है।

शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द

हार्ट अटैक के दौरान दर्द सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता। यह दर्द बाएं हाथ, पीठ, गर्दन, जबड़े या कंधे तक फैल सकता है। यह दर्द तीव्र या धक्का देने वाला हो सकता है और कभी–कभी रुक–रुक कर भी आता रहता है। खासकर बाएं हाथ में तेज दर्द दिल के दौरे का सबसे खतरनाक संकेत माना जाता है। अगर ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या करें जब ये लक्षण नजर आएं?

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और तुरंत मेडिकल हेल्प लें। अगर खुद अस्पताल नहीं जा सकते तो किसी परिजन या दोस्त की मदद लें। भारी खाना, कैफीन और घरेलू इलाज से परहेज करें। यदि संभव हो तो ईसीजी या ब्लड टेस्ट कराएं ताकि स्थिति की पुष्टि हो सके।

डॉक्टर की सलाह

कि अगर समय रहते इन संकेतों को पहचान लिया जाए तो हार्ट अटैक से जान बचाई जा सकती है। सही समय पर इलाज मिलना बहुत जरूरी है। हार्ट अटैक अचानक नहीं आता, शरीर इसके पहले ही कई तरीके से संकेत देना शुरू कर देता है। इन संकेतों को जानें, समझें और अनदेखा बिल्कुल न करें। थोड़ी सी सावधानी और सतर्कता आपकी जान बचा सकती है।

संक्षिप्त

एनआरएल ने भारत का पहला 5जी कैप्टिव निजी नेटवर्क स्थापित करने के लिए बीएसएनएल के साथ किया समझौता

नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) ने अपने क्षेत्र में भारत का पहला 5जी कैप्टिव नॉन–पब्लिक नेटवर्क (सीएनपीएन) स्थापित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह असम के लिए गर्व का क्षण है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' बीएसएनएल और एनआरएल ने रिफाइनरी क्षेत्र में भारत का पहला 5जी कैप्टिव गैर–सार्वजनिक नेटवर्क स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। डिजिटल असम और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम..'' भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट जे. रवि ने कहा कि यह साझेदारी अगली पीढ़ी के डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ भारत के रणनीतिक क्षेत्रों को सशक्त बनाने की दूरसंचार कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बयान के अनुसार, शनिवार को गुवाहाटी में केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में हस्ताक्षरित इस समझौते से अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी अनुकरणीय मॉडल के लिए मंच तैयार होने की उम्मीद है।

बोइंग कंपनी के लड़ाकू विमान बनाने वाले कर्मचारियों की हड़ताल पर जाने की तैयारी

बोइंग के लड़ाकू विमान बनाने वाले कर्मचारी सोमवार को केंद्रीय मानक समय के अनुसार मध्य रात्रि में हड़ताल पर जाने की योजना बना रहे हैं। 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन' ने रविवार को बताया कि सेंट लुईस, सेंट चार्ल्स, मिसौरी और मैस्काउटा (इलिनोइस) स्थित बोइंग संयंत्रों में कार्यरत करीब 3,200 कर्मचारियों ने बोइंग के साथ संशोधित चार–वर्षीय श्रम समझौते को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया। यूनियन के मध्यपश्चिम क्षेत्र के महासचिव सैम सिसिनेली ने एक बयान में कहा, '' आईएएम डिस्ट्रिक्ट 837 के सदस्य ऐसे विमान और रक्षा प्रणालियां बनाते हैं जो हमारे देश को सुरक्षित रखती हैं। वे ऐसे अनुबंध के हकदार हैं जो उनके परिवारों को सुरक्षित रखे और उनकी बेजोड़ विशेषज्ञता को मान्यता दे।'' यह मतदान पिछले सप्ताह सदस्यों द्वारा संकटग्रस्त कंपनी के पूर्व प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद हुआ, जिसमें चार वर्ष में 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि का प्रस्ताव था। यूनियन के नेताओं ने उस समय इस प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की थी और इसे एक ''ऐतिहासिक समझौता'' करार दिया था। उन्होंने कहा था कि इस प्रस्ताव से चिकित्सकीय, पेंशन और कामकाजी घंटों से इतर काम करने के लाभों में सुधार होगा। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर ही यूनियन के सदस्यों ने बोइंग के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। बोइंग एयर डोमिनेंस के उपाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक डैन गिलियन ने कहा, '' हमें निराशा है कि हमारे कर्मचारियों ने प्रस्ताव ठुकरा दिया .. हम हड़ताल के लिए तैयार हैं और हमने अपनी आकस्मिक योजना को पूरी तरह से लागू कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हड़ताल न करने वाले हमारे कर्मचारी और ग्राहकों को कोई परेशानी न हो।' कंपनी अपने दो बोइंग 737 मैक्स विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से संघर्ष कर रही है। 2018 में इंडोनेशिया में और 2019 में इथियोपिया में इसके विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से 346 लोगों की जान गई थी। जून में एयर इंडिया द्वारा संचालित बोइंग का एक ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें कम से कम 260 लोग मारे गए थे। बोइंग ने, उसकी दूसरी तिमाही की आय में सुधार होने और घाटा कम होने की मंगलवार को घोषणा की थी। कंपनी को दूसरी तिमाही में 61.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का घाटा हुआ, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 1.44 अरब अमेरिकी डॉलर का घाटा हुआ था।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, 6 अगस्त को गवर्नर संजय मल्होत्रा करेंगे फैसलों का एलान

नई दिल्ली। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली दर निर्धारण समिति की बैठक सोमवार को शुरू हो गई। तीन दिवसीय बैठक में द्विमासिक मौद्रिक नीति तय करने के लिए चर्चा होगी। जानकारों का मानना है कि अगस्त एमपीसी बैठक के दौरान ब्याज दरों में नरमी के चक्र के स्थिर रहने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी में ब्याज दरों में ढील देने का चक्र शुरू किया था और तब से अब तक तीन चरणों में अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में 100 आधार अंकों की कटौती की गई है। गवर्नर मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति– मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)– बुधवार (6 अगस्त) को अगली द्विमासिक नीति दर की घोषणा करने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक इस बार यथास्थिति बनाए रख सकता है और अमेरिका की ओर से 7 अगस्त से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद और अधिक मैक्रो डेटा का इंतजार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक वर्ग को बुधवार को ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून के लिए कम मुद्रास्फीति और 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के हालिया घटनाक्रम पर आधारित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जून में नीति में पहले से ही 26 प्रतिशत टैरिफ को शामिल कर लिया गया था, जो अप्रैल में स्थगित दर थी। सबनवीस ने कहा, इसलिए, टैरिफ से वास्तव में विकास पर नजरिया नहीं बदलेगा, हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि आरबीआई इस आंकड़े को कैसे देखता है। वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान में 0.1–0.2 प्रतिशत की मामूली कमी हो सकती है, यानी 3.7 प्रतिशत के बजाय 3.5–3.6 प्रतिशत। हालांकि, वर्तमान संदर्भ में, अर्थव्यवस्था के लिए तेल की लागत भी एक विचारणीय बात होगी। उन्होंने कहा, ष्इसलिए, इस बार हमें रुख या नीतिगत दर में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। लचीले विकास के मोर्चे पर कुछ राहत मिलने के साथ ही रुख अधिक सतर्क रहेगा।

लॉर्ड्स और ओवल में हुई गलती की सिराज ने की भरपाई, भारत को दिलाई ऐतिहासिक जीत; किया दमदार प्रदर्शन

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट लंदन के ओवल में खेला गया। यह मुकाबला भी इस सीरीज के अन्य मुकाबलों की तरह पांचवें दिन गया। इंग्लैंड को जीत के लिए 35 और रन की दरकार थी, जबकि भारत को चार विकेट गिराने थे। इंग्लैंड की टीम सीरीज में 2–1 से आगे थी, लेकिन भारत ने मोहम्मद सिराज के दमदार प्रदर्शन से यह मुकाबला छह रन से जीता और सीरीज 2–2 से बराबर करने में सफल रहे। भारत के पास इस सीरीज को जीतने के कई मौके आए थे, लेकिन अहम मौके पर चूक ने मैच पलट दिया। सिराज दो मुश्किल मौकों को भुनाने में नाकाम रहे, जो मैच को पलट सकता था। लॉर्ड्स के बाद अब ओवल में भी कुछ ऐसा हुआ था, लेकिन अब सिराज ने इसकी भरपाई की और टीम को मिली जीत में अहम योगदान दिया।

ओवल में चौथे दिन क्या हुआ था?

दरअसल, ओवल में इंग्लैंड को 374 रन का लक्ष्य मिला। इसके जवाब में एक वक्त टीम ने 106 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। हैरी ब्रूक और जो रूट क्रीज पर थे। इंग्लैंड की दूसरी पारी के 35वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाजी के लिए आए। पहली ही गेंद उन्होंने शॉर्ट लेंथ पर फेंकी। इस पर बड़े शॉट के प्रयास में ब्रूक ने इसे हवा में खेला। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर लॉन्ग लेग पर गई। वहां सिराज बाउंड्री लाइन पर खड़े थे। उन्होंने कैच लिया, लेकिन उनका दायां पैर कैच के बाद बाउंड्री लाइन से टकरा गया। सिराज खुद को ठीक से बैलेंस नहीं कर पाए। गेंद छक्के के लिए गई। तब ब्रूक 19 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। इसके बाद तो ब्रूक ने कोई मौका नहीं दिया और बैजबॉल के अंदाज में चौके छक्कों की बारिश कर दी। उन्होंने शतक पूरा किया और 98 गेंद में 14 चौके और दो छक्कों की मदद से 111 रन की पारी खेली। आकाश दीप ने उन्हें पवेलियन भेजा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जीवनदान मिलने के बाद ब्रूक ने रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी निभाई। सिराज अगर वह कैच ले लेते तो परिस्थिति कुछ और हो सकती थी, क्योंकि ब्रूक के चौथे विकेट के रूप में आउट होने के बाद भारत ने 36 रन के अंदर दो और विकेट गिरा दिए। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 339 रन बना लिए थे। सिराज से कैच छूटने की याद उन्हें ताउम्र सताएगी। हालांकि, सिराज ने पांचवें दिन इसकी भरपाई की और दूसरी पारी में कुल पांच लेने में सफल रहे।

वहीं, उससे पहले लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान भारत को 193 रन का लक्ष्य मिला था। इसके जवाब में 112 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। फिर रवींद्र जडेजा ने बुमराह के साथ और फिर सिराज के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाने की कोशिश की। 147 पर बुमराह आउट हुए। इसके बाद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी का दमखम दिखाया। उन्होंने जडेजा का बखूबी साथ देते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों को थकाना शुरू किया। अपने शानदार डिफेंस का नमूना पेश करते हुए सिराज ने 29 गेंदों पर शानदार ब्लॉक किया। हालांकि, भारत का स्कोर जब 170 रन था और टीम इंडिया जीत से 23 रन दूर थी, तो शोएब बशीर की एक शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद को उन्होंने सामने डिफेंस किया। हालांकि, इसके बाद कुछ चमत्कार जैसा हुआ और गेंद ने रिवर्स स्पिन किया और सिराज के डिफेंस के बाद जमीन पर टप्पा खाकर रिवर्स स्पिन होकर विकेट से जा टकराई। इस तरह सिराज दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हुए। वह यकीन नहीं कर पाए और मैदान पर रोने लगे। इतने शानदार डिफेंस के बाद गेंद का इस तरह विकेट से टकराना किसी को समझ नहीं आया। हालांकि, भारतीय टीम को यह टेस्ट भी 22 रन से गंवाना पड़ा।

पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को 13 रन से हराया, सीरीज भी 2-1 से अपने नाम की

लॉडरहिल। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को फ्लोरिडा के लॉडरहिल में खेले गए तीसरे टी20 में 13 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की टी20 सीरीज भी 2–1 से अपने नाम की। पहला मुकाबला पाकिस्तान ने 14 रन से और दूसरा टी20 वेस्टइंडीज ने दो विकेट से अपने नाम किया था। अब दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। तीनों मुकाबले त्रिनिदाद में खेले जाएंगे। पहला वनडे आठ अगस्त, दूसरा वनडे 10 अगस्त और तीसरा वनडे 12 अगस्त को खेला जाएगा। तीसरे टी20 में शाहिबजादा फरहान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। 190 रन के लक्ष्य के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन ही बना सकी।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शाहिबजादा फरहान और सैम अयूब ने पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान ने 53 गेंद में तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से 74 रन की पारी खेली। वहीं, सैम अयूब ने 49 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए। हसन नवाज ने सात गेंदों में दो छक्कों की मदद से 15 रन और मोहम्मद हारिस ने दो रन बनाए। खुशदिल शाह 11 रन और फहीम अशरम 10 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमार जोसेफ को एक–एक विकेट मिला।

190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही। जेवेल एंड्रयू और एलिक एथिनाजे ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े कप्तान शाई होप सात रन बना सके। वहीं, शेरफेन रदरफोर्ड ने अर्धशतक जमाया। वह 35 गेंद में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए। रोस्टन चेज रिटायर्ड आउट हुए। वह 12 गेंद में 15 रन बना सके। जेसन होल्डर खाता नहीं खोल सके। रोमारियो शेफर्ड चार रन और गुडाकेश मोती 10 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सैम अयूब और सूफियान मुकीम को एक–एक विकेट मिला।

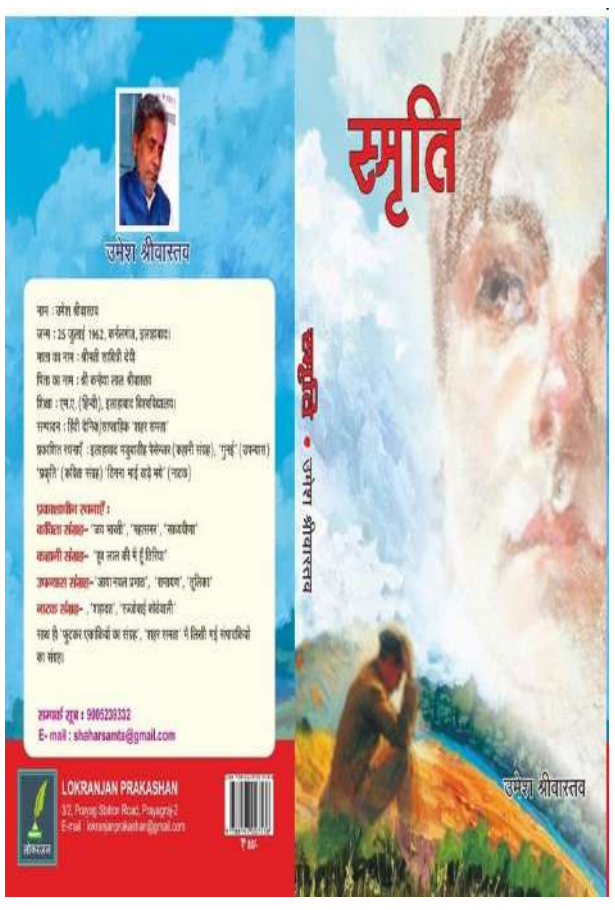

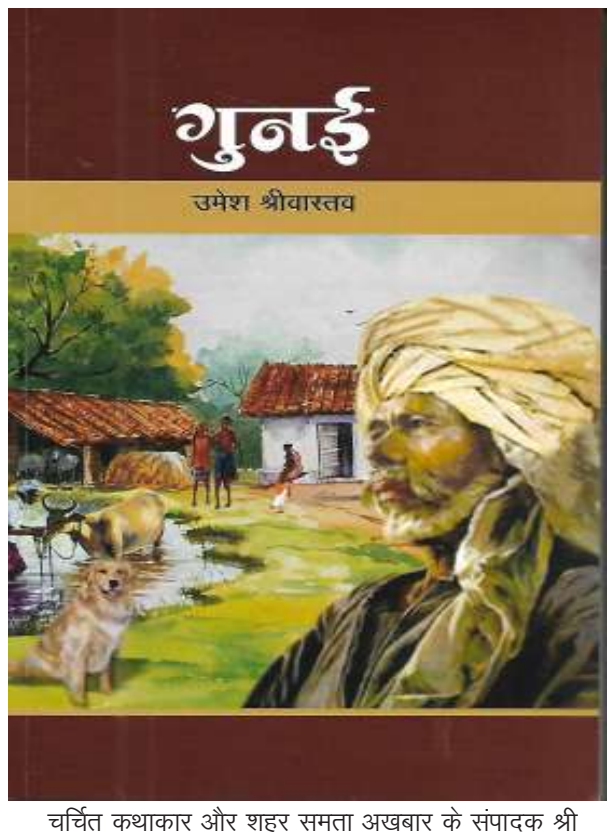

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

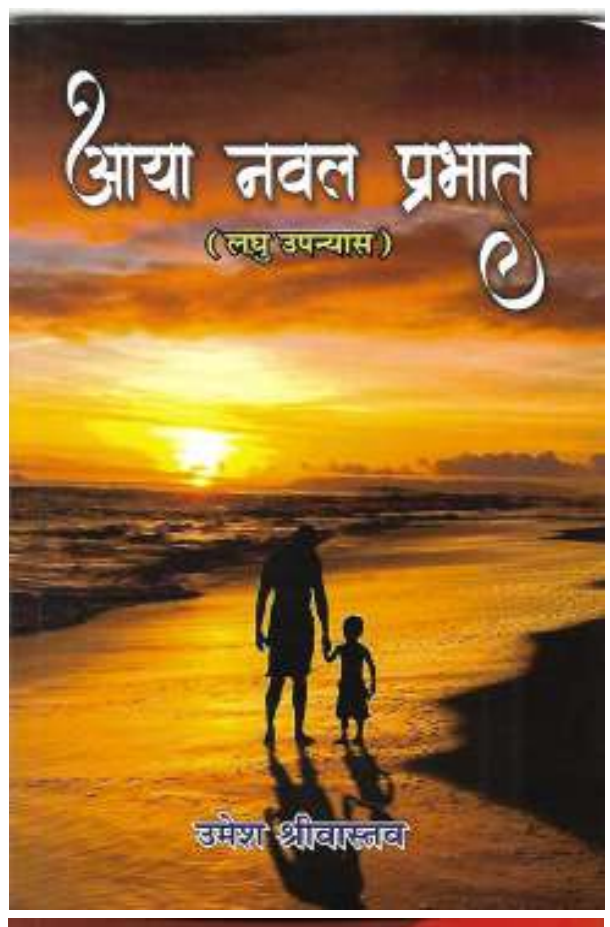

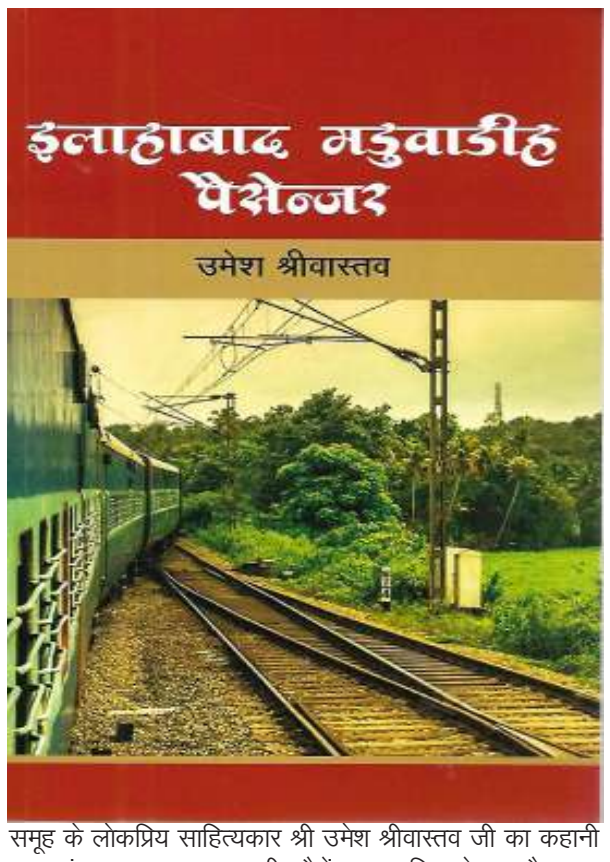

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

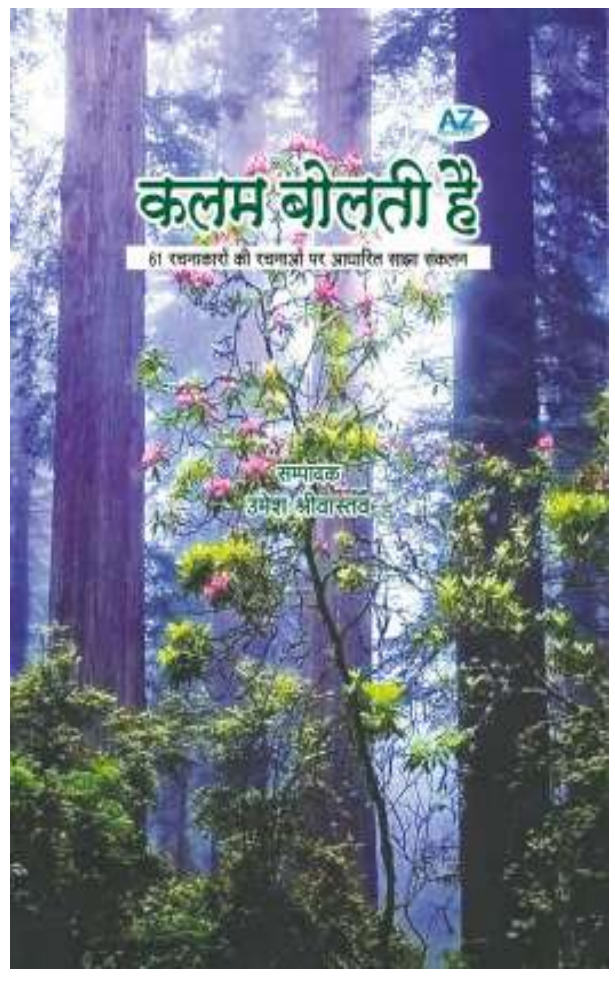

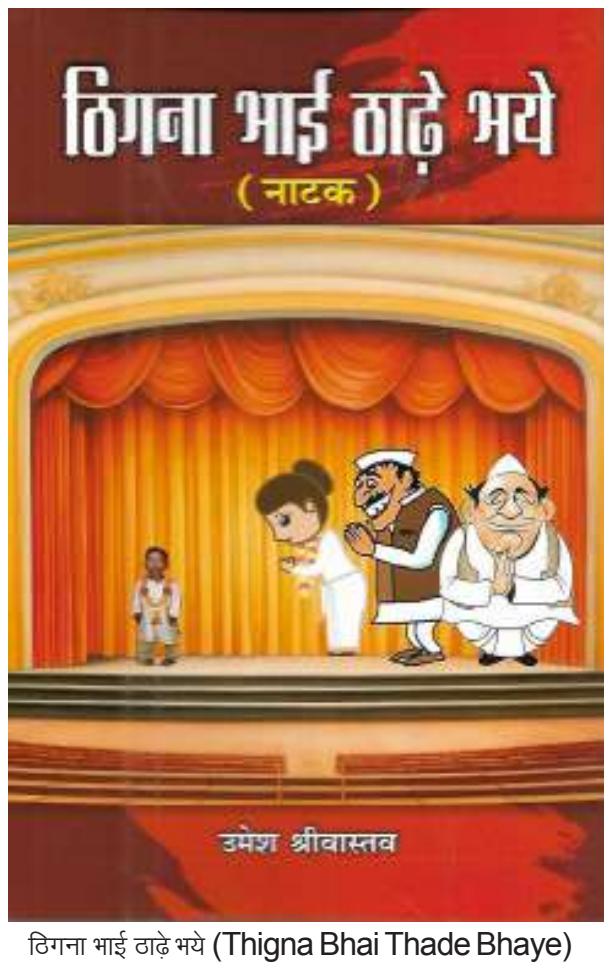

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

रूस और ईरान से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा चीन, अमेरिका की मांग को ठुकराया

बीजिंग। अमेरिका, रूस और ईरान से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर सख्ती कर रहा है। हालांकि चीन ने अमेरिका की इस मांग को मानने से साफ इनकार कर दिया है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर भी बातचीत चल रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देशों में व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन रूस और ईरान से तेल न खरीदने की बात पर चीन ने सख्त रुख अपनाया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि चीन हमेशा देशहित को ध्यान में रखते हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

अमेरिका ने 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीदने पर चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। जिस पर चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि चीन हमेशा देशहित को ध्यान में रखते हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।श चीन ने कहा कि दबाव बनाने और जबरदस्ती से कुछ हासिल नहीं होगा। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय सामने आई है, जब दोनों देशों के अधिकारी स्टॉकहोम में व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में

जुटे हैं। चीन के सख्त रुख पर तंज कसते हुए अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि जब रूस से तेल खरीदने की बात आती है, तब चीन अपनी संप्रभुता को बहुत गंभीरता से लेता है। गौरतलब है कि अमेरिका का कहना है कि रूस से जो देश तेल खरीद रहे हैं, उससे रूस की सेना की मदद हो रही है और यूक्रेन में युद्ध जारी है। वहीं ईरान भी तेल बिक्री के पैसों से पश्चिम एशिया में आतंकी संगठनों को फंडिंग दे रहा है। ऐसे में अमेरिका में रूस और ईरान के वित्तपोषण पर रोक लगाना चाहते हैं। अमेरिका ने भारत पर भी इसके लिए 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी लगाने की घोषणा की है।

ईरान का 80–90 फीसदी तेल खरीद रहा चीन

एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के प्रतिष्ठित फेलो डैनी रसेल ने कहा कि रूस से तेल खरीदना जारी रखने से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शी जिनपिंग की 'रणनीतिक एकजुटता' बनी रहती है और चीन की आर्थिक लागत में भी उल्लेखनीय कमी आती है।

उन्होंने कहा, 'बीजिंग, रूस और ईरान से तेल न खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक ऊर्जा आपूर्ति है, और बीजिंग इसे औने–पौने दामों पर खरीद रहा है।श अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन की 2024 की एक रिपोर्ट का अनुमान है कि ईरान द्वारा निर्यात किए गए तेल का लगभग 80 से 90 प्रतिशत चीन खरीद रहा है। चीन रूस का भी एक महत्वपूर्ण ग्राहक है, लेकिन रूस से समुद्री कच्चे तेल के निर्यात में भारत के बाद दूसरे स्थान पर है। कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के केएसई इंस्टीट्यूट के अनुसार, अप्रैल में चीन द्वारा रूसी तेल का आयात पिछले महीने की तुलना में 20 प्रतिशत बढ़कर 13 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक हो गया।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में जिंदा मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में दो साल की बच्ची के जिंदा मिलने के बाद एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस के चालक ने सामान रखने वाले स्थान में रखे एक सूटकेस में बच्ची को पाया था। 'डिटेक्टिव इंस्पेक्टर' साइमन हैरिसन ने एक बयान में कहा कि ऑकलैंड के उत्तर में काईवाका बस्ती में एक बस स्टॉप पर जब एक यात्री ने चालक से उसका सामान निकालने के लिए कहा तो उसने (चालक) बैग के अंदर हलचल देखी। हैरिसन ने बताया कि जब चालक ने सूटकेस खोला तो उसमें दो साल की बच्ची थी और उसका शरीर तप रहा था, हालांकि उसे कोई चोट नहीं पहुंची थी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बच्ची कितनी देर से सूटकेस में बंद थी। उन्होंने बताया कि बच्ची को अस्पताल ले जाया गया और वह स्थानीय समयानुसार रविवार रात तक भर्ती रही। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में एक महिला को बच्ची से दुर्व्यवहार या उपेक्षा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने महिला के नाम का खुलासा नहीं किया।

यूक्रेन जंग में रूस की फंडिंग कर रहा भारत, ट्रंप के करीबी सलाहकार ने लगाया बड़ा आरोप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने भारत पर अमेरिकी वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने और अमेरिकी आव्रजन प्रणाली के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया कि भारत रूसी तेलखरीद रहा है जिससे यूक्रेन में रूस के युद्ध का वित्तपोषण हो रहा है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका नई दिल्ली पर मास्को के साथ व्यापार बंद करने का दबाव बढ़ा रहा है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ और ट्रंप के सबसे प्रभावशाली सहयोगियों में से एक, स्टीफन मिलर ने फॉक्स न्यूज के संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स में कहा कि ट्रंप ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत का रूस से तेल खरीदकर इस युद्ध का वित्तपोषण जारी रखना स्वीकार्य नहीं है। लोग यह जानकर हैरान रह जाएँगे कि रूसी तेल खरीदने में भारत मूल रूप से चीन के साथ जुड़ा हुआ है। यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है। मिलर की टिप्पणियाँ ट्रम्प प्रशासन द्वारा हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के प्रमुख साझेदारों में से एक के बारे में अब तक की सबसे कड़ी टिप्पणियों में से एक हैं। उन्होंने दावा किया कि ट्रम्प भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक मज़बूत रिश्ता चाहते हैं और उनके हमेशा से मज़बूत रिश्ते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन हमें इस युद्ध के वित्तपोषण से निपटने के बारे में गंभीरता से सोचना होगा... इसलिए, राष्ट्रपति ट्रम्प, यूक्रेन में चल रहे युद्ध से कूटनीतिक, वित्तीय और अन्य तरीकों से निपटने के लिए सभी विकल्प मौजूद हैं, ताकि हम शांति स्थापित कर सकें। दूसरी ओर भारत सरकार के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी धमकियों के बावजूद भारत रूसी तेल ख़रीदता रहेगा। भारत सरकार ने अपने तेल रिफ़ाइनरों को रूसी तेल ख़रीदना बंद करने का कोई निर्देश भी नहीं दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी और निजी, दोनों ही रिफ़ाइनरों को पसंदीदा स्रोतों से ख़रीदने की अनुमति है, और कच्चे तेल की ख़रीद एक व्यावसायिक फ़ैसला है।

बाढ़ और बारिश से पाकिस्तान में हाहाकार, अब तक 299 लोगों की मौत, 140 बच्चे भी शामिल

जून के अंत से पाकिस्तान के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ और मूसलाधार बारिश के कारण हाहाकार मचा हुआ है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बाढ़ और बारिश के कारण 140 बच्चों सहित कम से कम 299 लोगों की मौत हो गई है और 700 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई इस बाढ़ ने पूरे देश में तबाही मचा दी है।ष मरने वालों में 102 पुरुष, 57 महिलाएं और 140 बच्चे शामिल हैं, जबकि घायलों में 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष शामिल हैं। डॉन के अनुसार, इस भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुँचाया हैकृजिनमें से 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 428 पशुधन भी मारे गए, जिससे प्रभावित समुदायों की मुश्किलें और बढ़ गई। एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, राहत कार्यों में 13,400 से ज़्यादा ज़रूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है, जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रज़ाईयाँ, 613 गद्दे और 1,100 से ज़्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने 1,282 किचन सेट, 350 लाइफ जैकेट, 1,122 हाइजीन किट, 2,170 तिरपाल और 146 डी–वाटरिंग पंप उपलब्ध कराए हैं। चिकित्सा सहायता भी प्रदान की जा रही है, 71 शिविर स्थापित किए गए हैं, जहाँ अब तक 577 लोगों का इलाज किया जा चुका है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एनडीएमए ने बताया कि कई क्षेत्र अभी भी प्रभावित हैं और प्रांतीय और संघीय एजेंसियों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने 4 अगस्त से 7 अगस्त तक उत्तरी क्षेत्रों में बारिश, हवा और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान लगाया है। इस अवधि के दौरान खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद में बारिश की संभावना है, जबकि गिलगित–बाल्टिस्तान में 5 अगस्त से बारिश होने की उम्मीद है। बलूचिस्तान में ज्यादातर गर्म और आर्द्र स्थिति रहेगी, 6 अगस्त को इसके उत्तरपूर्वी और दक्षिणी भागों में कुछ बारिश का अनुमान है। सिंध में भी गर्म और आर्द्र रहने की उम्मीद है, तटीय क्षेत्रों में हल्की बारिश होगी।

पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ, मारे गए आतंकियों के पास से मिले गई अहम सबूत

चॉकलेट रैपर, पाकिस्तानी पहचान पत्र, सैटेलाइट फोन लॉग और अन्य कई सबूत पहलगाम हमलावरों के तार पाकिस्तान से जोड़ते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। 28–29 जुलाई के बीच भारतीय एजेंसियों द्वारा बरामद किए गए सबूत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 29 जुलाई को लोकसभा में दिए गए भाषण की याद दिलाते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवादियों की पहचान पाकिस्तान में हुई है। शाह ने कहा था, ष्पहली बार हमारे हाथ सरकार द्वारा जारी पाकिस्तानी दस्तावेज़ लगे हैं जो पहलगाम हमलावरों की राष्ट्रीयता को संदेह से परे साबित करते हैं। ऑपरेशन महादेव के दौरान और उसके बाद एकत्र किए गए फोरेंसिक, दस्तावेजी और साक्ष्यों से यह स्पष्ट रूप से पता चला कि पहलगाम आतंकी हमले के तीनों हमलावर पाकिस्तानी नागरिक और लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के वरिष्ठ सदस्य थे, जो हमले के दिन से ही दाचीगाम–हरवान वन क्षेत्र में छिपे हुए थे। गोलीबारी करने वाली टीम में कोई भी स्थानीय कश्मीरी शामिल नहीं था। सूत्रों के अनुसार, आतंकवादियों की पहचान ए++ कमांडर सुलेमान शाह (कोड नाम फैजल जट्ट) के रूप में हुई है, जो मास्टरमाइंड और मुख्य शूटर था; ए–ग्रेड कमांडर अबू हमजा (कोड नाम अफगान) दूसरा बंदूकधारी था; और ए–ग्रेड कमांडर यासी (कोड नाम जिब्रान) तीसरा बंदूकधारी और पीछे का सुरक्षाकर्मी था। इन आतंकवादियों से पाकिस्तान का संबंध साबित करने के लिए सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी मतदाता पहचान पत्र बरामद किए। सुलेमान शाह और अबू हमजा की जेबों से पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा जारी दो लेमिनेटेड मतदाता पर्चियाँ मिलीं। मतदाता क्रमांक (फोटो खींचकर एफआईए को भेजे गए) क्रमशः लाहौर (एनए–125) और गुजरांवाला (एनए–79) की मतदाता सूचियों से मेल खाते हैं। इसके अलावा, उन्हें राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण (एनएडीआरए) से जुड़ी स्मार्ट–आईडी चिप्स भी मिलीं। सूत्रों के अनुसार, क्षतिग्रस्त सैटेलाइट फोन से प्राप्त माइक्रोएसडी में तीनों व्यक्तियों के एनएडीआरए बायोमेट्रिक रिकॉर्ड (उंगलियों के निशान, चेहरे के नमूने, परिवार वृक्ष) थे, जिससे उनकी पाकिस्तानी नागरिकता और चंगा मंगा (कसूर जिला) तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट के पास कोइयन गांव में उनके पते की पुष्टि हुई।

जापान की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बनीं शिगेको कगावा, इन्होंने 2021 में ओलंपिक मशाल थामी थी

टोक्यो। जापान के स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के अनुसार, नारा प्रान्त की 114 वर्षीय सेवानिवृत्त चिकित्सक शिगेको कगावा जापान की सबसे बुजुर्ग जीवित व्यक्ति बन गई हैं। इससे पहले 114 वर्षीय मियोको हिरोयासु जापान के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे, लेकिन अब उनके निधन के बाद शिगेको कगावा के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो गई है। जापान की असाधारण दीर्घायु की प्रतीक कगावा ने द्वितीय विश्व युद्ध से पहले मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ओसाका के एक अस्पताल में सेवाएं दीं और बाद में एक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में खुद के क्लिनिक का संचालन किया। वह 86 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हुईं। 109 वर्ष की आयु में कगावा ने टोक्यो 2021 में मशाल थामी और ओलंपिक इतिहास की सबसे बुजुर्ग मशालवाहकों में से एक बन गईं। जब उनसे उनकी दीर्घायु का रहस्य पूछा गया, तो कगावा ने 2023 में एक स्थानीय न्यूज चौनल को बताया, श्मैं बस रोज खेलती हूं। मेरी ऊर्जा मेरी सबसे बड़ी संपत्ति है। मैं जहां चाहती हूं, वहां जाती हूं, जो चाहती हूं खाती हूं और जो चाहती हूं करती हूं। मैं आज़ाद और स्वतंत्र हूं। शिगेको की पूर्ववर्ती हिरोयासु भी इसी तरह का सक्रिय जीवन जीती थीं।

भारतीय मूल की मथुरा श्रीधरन ओहायो की नई सॉलिसिटर जनरल नियुक्त, बिंदी को लेकर हुई ट्रोल

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की वकील मथुरा श्रीधरन को ओहायो का 12वां सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है। जो राज्य और संघीय अदालतों में अपील के लिए राज्य की शीर्ष वकीलों में शामिल हो गई हैं। ओहायो के अटॉर्नी जनरल डेव योस्ट ने पिछले हफ्ते एक बयान में कहा कि उन्होंने श्रीधरन को इस पद के लिए चुना है। श्रीधरन की पूर्ववर्ती इलियट गेसर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी न्याय विभाग के कानूनी परामर्शदाता कार्यालय का नेतृत्व करने के लिए चुना है। जिसके चलते गेसर के स्थान पर भारतवंशी मथुरा श्रीधरन को चुना गया।

अटॉर्नी जनरल का कार्यालय, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट, छठे सर्किट के लिए अमेरिकी अपीलीय न्यायालय, ओहायो सुप्रीम कोर्ट और अन्य राज्य एवं संघीय अदालतों में अपीलों पर राज्य और उसकी एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीधरन ने सॉलिसिटर जनरल पद पर नियुक्त किए जाने पर कहा, श्अपने साथी ओहायो वासियों के अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़ा होना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैं अटॉर्नी जनरल योस्ट द्वारा मुझ पर हमारे संवैधानिक आदर्शों की रक्षा करने, कानून के शासन को आगे बढ़ाने और हमारी संघीय सरकार प्रणाली के लिए लड़ने के लिए किए गए विश्वास के लिए तहे दिल से आभारी हूं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।